RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 296 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 25-05-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'कंप्रोमाइज्ड' प्रधानमंत्री 'करीबी मित्र' को खुश करने में लगे हैं : कांग्रेस
6 राजनीति सनातन विरोध की बजाय आम मुद्दों पर केंद्रित हो
7 इतियाज अली की फिल्म में काम करके बदली शरवरी की सोच

फर्स्ट टेक

पुरी जगन्नाथ मंदिर में रत्न भंडार की वस्तुओं की सूची बनाने का काम जून तक टला

पुरी/भाषा। ओडिशा के पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर के प्रशासन ने भीषण गर्मी और 'चंदन यात्रा' (ग्रीष्मकालीन उत्सव) से जुड़े अनुष्ठानों को देखते हुए 'रत्न भंडार' में मूल्यवान वस्तुओं की सूची बनाने का काम जून तक के लिए स्थगित करने का फैसला लिया है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरविंद पाधी ने संवाददाताओं को बताया कि हालांकि, मंदिर प्रशासन ने पहले 26, 28, 29 और 30 मई को चार और दिनों के लिए सूची बनाने का काम जारी रखने का फैसला किया था, लेकिन भीषण गर्मी और 'चंदन यात्रा' (ग्रीष्मकालीन उत्सव) से जुड़े अनुष्ठानों को देखते हुए अब यह काम जून तक के लिए स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।

केरल में भारी बारिश, 12 जिलों में अलर्ट जारी

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। वहीं भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को राज्य के एक जिले में 'ऑरेंज' अलर्ट और 11 अन्य जिलों में 'येलो' अलर्ट जारी किया। विभाग ने एर्नाकुलम जिले में दिनभर के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया। इसने पलक्कड़ और वायनाड को छोड़कर राज्य के 11 जिलों में 'येलो' अलर्ट जारी किया गया है। 'ऑरेंज' अलर्ट का मतलब 11 से 20 सेंटीमीटर (सेमी) तक बहुत भारी बारिश जबकि 'येलो' अलर्ट का मतलब छह से 11 सेंटीमीटर तक भारी बारिश है। तेज हवाओं और बारिश से राज्य के कुछ हिस्सों में संपत्ति और वाहनों को नुकसान पहुंचा है।

पंजाब के फिरोजपुर में 28 किलो से अधिक हेरोइन के साथ चार गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने फिरोजपुर के गुरुहरसहाय में चार लोगों को गिरफ्तार करके मादक पदार्थ की सीमा पार तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को दी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 28.12 किलोग्राम हेरोइन और 9.5 लाख रुपए नकद बरामद किए। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इस गिरोह के विदेशी तस्करों से संबंध थे, जिन्होंने आरोपियों को मादक पदार्थ की खेप कथित तौर पर प्राप्त करने और उसे भारतीय क्षेत्र में वितरित करने का काम सौंपा था। डीजीपी ने बताया कि मादक पदार्थ की सीमापार तस्करी नेटवर्क को खत्म करने के लिए जांच जारी है।

25-05-2026 सूर्यास्त 6:29 बजे	26-05-2026 सूर्योदय 5:41 बजे
BSE 75,415.35 (+231.99)	NSE 23,719.30 (+64.60)
सोना 16,417 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 273,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जमानती खेल

कौन जमानत दे किसको,
सारे रिमांड पर चढ़े हुए।
कब्रों से मुर्दे जिन्न हुए,
जो थे चित्रों में मढ़े हुए।
ईडी हो या सीबीआई,
सबके सवाल हैं गढ़े हुए।
वे स्वयं अँगूठा दिखा रहे,
जो कानूनों को पढ़े हुए।।

किसी को भी किसी दूसरे व्यक्ति का धर्म जबरन बदलने का अधिकार नहीं : शाह

▪ यूसीसी से आदिवासियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, समुदाय दुष्प्रचार के झांसे में न आए : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) आदिवासियों को किसी भी तरह से प्रभावित नहीं करेगी। उन्होंने समुदाय से इस मुद्दे पर फैलाए जा रहे ''दुष्प्रचार'' के झांसे में न आने का आग्रह किया।

आदिवासी नायक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय सुरक्षा मंच द्वारा लाल किला मैदान में आयोजित 'जनजातीय सांस्कृतिक समागम' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में यूसीसी को लागू करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, ताकि जनजातीय समुदायों को इसके दायरे से बाहर रखा जा सके।

शाह ने कहा, ''अब एक साजिश शुरू हो गई है जिसमें दावा किया जा रहा है कि समान नागरिक संहिता आदिवासी समुदायों को उनकी संस्कृति, परंपराओं और

▪ यूसीसी किसी भी आदिवासी या वनवासी भाई या बहन की परंपराओं और रीति-रिवाजों में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

अपने रीति-रिवाजों के अनुसार जीने के अधिकार से वंचित कर देगी।'' उन्होंने कहा, ''आज, इस मंच से, नरेन्द्र मोदी सरकार में गृह मंत्री के रूप में, मैं यह बिल्कुल स्पष्ट करना चाहता हूं कि यूसीसी का कोई भी प्रावधान आदिवासी समुदायों या वनवासी समाज पर थोपा नहीं जाएगा।'' शाह ने कहा कि जिन भी राज्यों में भाजपा सरकारों ने यूसीसी लागू किया है, मोदी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि सभी आदिवासी समुदाय इसके दायरे से बाहर रहें।

गृह मंत्री ने आदिवासी समुदायों से प्रस्तावित कानून से भयभीत न होने का आग्रह किया और लोगों से गांवों एवं वन क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा, ''मैं भ्रम फैलाने वाले सभी लोगों को बताना चाहता हूं कि यूसीसी किसी भी आदिवासी या वनवासी भाई या बहन की परंपराओं और रीति-रिवाजों में हस्तक्षेप नहीं करेगा।'' नक्सलवाद का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि देश इस समस्या से मुक्ति की ओर अग्रसर है, और दावा किया कि हिंसा के कारण दशकों से आदिवासी विकास प्रभावित हुआ है।

शाह ने कहा, ''आज आदिवासी समुदायों के इस कुंभ में मैं गर्व से कह सकता हूं कि हमारा देश नक्सल समस्या से पूर्णतः मुक्त होने की ओर अग्रसर है।'' गृह मंत्री ने आदिवासी क्षेत्रों में धर्मांतरण का भी विरोध किया और कहा कि किसी को भी किसी दूसरे व्यक्ति का धर्म जबरन बदलने का अधिकार नहीं है।

कांग्रेस ने द्रमुक की पीठ में छुरा घोंपा, उस पर फिर से भरोसा न करें : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की युवा शाखा के प्रमुख उदयनिधि स्टालिन ने कांग्रेस पर तमिलनाडु में चुनावी लाभ के लिए ''द्रमुक की पीठ में छुरा घोंपने'' का आरोप लगाया है और अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से कहा कि वे कांग्रेस पर ''फिर कभी भरोसा न करें।''

उदयनिधि ने कहा, ''20 वर्षों से अधिक समय तक कांग्रेस पार्टी हमारे सहारे आगे बढ़ी। आज उसने हमारी पीठ में छुरा घोंपा है। किसी को भी यह बात कभी नहीं भूलनी चाहिए। हमें कांग्रेस पर भविष्य में कभी भरोसा नहीं करना चाहिए और न ही उसे फिर कभी अपने करीब आने देना चाहिए।''

उदयनिधि ने शनिवार को यहां द्रमुक युवा शाखा की बैठक को

संबोधित करते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्र में लगातार जीत के लिए भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के बजाय कांग्रेस को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया।

तमिलनाडु के नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पहले उन्हें लगता था कि भाजपा की लगातार चुनावी सफलताओं का मुख्य कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन ऐसा नहीं है। भाजपा की जीत का मुख्य कारण कांग्रेस पार्टी है। यह अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।''

उदयनिधि ने पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों में गठबंधन के प्रति द्रमुक के पूर्ण समर्पण का उल्लेख करते हुए कहा कि द्रमुक कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए ''खून-पसीना'' बहाया ताकि धर्मनिरपेक्षता की रक्षा की जा सके और भाजपा को तमिलनाडु से दूर रखा जा सके। उन्होंने कहा, ''इस चुनाव में भी लगभग अस्तित्वहीन कांग्रेस हमारे नेता के निर्देशों और द्रमुक कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत के कारण ही पांच सीट जीत सकी लेकिन जीतने के तुरंत बाद, वे सत्ता के लालच में भाग गए।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस में बुनियादी कृतज्ञता और राजनीतिक शिष्टाचार का अभाव है।

उदयनिधि ने कहा कि भले ही द्रमुक उसे सबक न सिखाए, तमिलनाडु के लोग जल्द ही उसे सबक सिखाएंगे।

टैंक बचाओ

बेंगलूरु में रविवार को 'वॉइस ऑफ सदाशिवनगर' के बैनर तले स्थानीय निवासियों ने सैंकी टैंक बचाओ अभियान के समर्थन में पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया और झील संरक्षण की मांग उठाई।

विकास का अर्थ लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना होता है : सतीशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने रविवार को कहा कि विकास का मतलब केवल बड़ी-बड़ी इमारतों का निर्माण नहीं होता, बल्कि इसका उद्देश्य लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। उन्होंने बंदरगाह शहर एर्नाकुलम जिले और पूरे केरल के आधुनिकीकरण और परिवर्तन के लिए कई योजनाओं की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

एर्नाकुलम जिले के मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सतीशन ने कहा कि संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की राज्य के लिए मुख्य योजनाओं में केरल की आर्थिक स्थिति और लोगों के जीवन स्तर में सुधार शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य की आर्थिक स्थिति को सुधारना एक बड़ी चुनौती है और वित्त विभाग

की जिम्मेदारी संभालना भी आसान नहीं है। उन्होंने कहा, ''अगर हम अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सके, तो अगला कदम संपत्ति का समान वितरण सुनिश्चित करना होगा। हमें यह देखना होगा कि लोगों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं।''

सतीशन ने कहा, ''विकास इसका एक हिस्सा है, लेकिन इसका मतलब जमीन अधिग्रहण कर विशाल इमारतें खड़ी करना नहीं है। विकास तब माना जाएगा जब लोगों के जीवन स्तर में स्पष्ट सुधार दिखाई दे।'' उन्होंने कहा कि यूडीएफ देश का पहला ऐसा विपक्ष था जिसने केवल सत्तारूढ़ सरकार की आलोचना ही नहीं की, बल्कि उन क्षेत्रों में अध्ययन भी किया जहां प्रशासन विफल रहा और समाधान खोजने का प्रयास किया।

सतीशन ने कहा कि वह 19 जून को विधानसभा में नई सरकार का पहला बजट पेश करेंगे, जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे सहित सभी क्षेत्रों के लिए कई परियोजनाएं होंगी। उन्होंने इस जिले को केरल के फिल्म उद्योग की ''राजधानी'' में बदलने की योजना का भी संकेत दिया।

कीव पर हमले में रूसी हाइपरसोनिक ओरेश्निक मिसाइल का हुआ इस्तेमाल

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि रूस ने रविवार को कीव पर हमले में ड्रोन और मिसाइल हमले के दौरान शक्तिशाली हाइपरसोनिक ओरेश्निक बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया। इस हमले में कम से कम दो लोग मारे गए। यह चार साल के युद्ध में तीसरी बार है जब इस हथियार का इस्तेमाल किया गया है। भीषण हवाई हमले से यूक्रेन की राजधानी कीव में सरकारी कार्यालय, आवासीय भवन और स्कूल के पास की इमारत समेत कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

असम में कट्टरपंथ रोधी प्रकोष्ठ की स्थापना की जाएगी : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार ''युवाओं को चरमपंथी प्रभाव से बचाने'' के लिए कट्टरपंथ-रोधी प्रकोष्ठ स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि असम

राज्य के युवाओं को गुमराह करने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को ''करारा जवाब'' देगा। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हम किसी भी समूह या व्यक्ति को अपने युवाओं को गुमराह करने और उन्हें कट्टरपंथी बनाकर उनका भविष्य बर्बाद करने की अनुमति नहीं देंगे। असम इसका करारा जवाब देगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''चरमपंथी प्रभाव से युवाओं को बचाने के लिए कट्टरपंथ-विरोधी प्रकोष्ठ स्थापित किया जाएगा।''

भारत-अमेरिका संबंधों में जयशंकर-रूबियो वार्ता से नई गर्माहट के संकेत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और अमेरिका ने रविवार को अपने तनावपूर्ण संबंधों में सुधार के संकेत देने के प्रयास किए। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके अमेरिकी समकक्ष मार्को रूबियो ने व्यापार, वीजा, ऊर्जा सुरक्षा, सीमा पार आतंकवाद और पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभावों जैसे जटिल मुद्दों पर खुलकर चर्चा की।

चार दिवसीय दौरे पर भारत आए रूबियो ने नई दिल्ली को एक प्रमुख ताकत बताया और इस बात को खारिज किया कि अमेरिका-भारत संबंधों ने दो दशकों से चली आ रही गति खो दी है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि मौजूदा प्रशासन के कार्यकाल के अंत तक ये संबंध और भी मजबूत होंगे।

भारत की विदेश नीति की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए जयशंकर ने वैश्विक स्थिरता के लिए एक रणनीतिक पांच-सूत्री खाका प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि भारत संघर्षों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति का समर्थक है, निर्बाध समुद्री व्यापार का समर्थन करता है, अंतरराष्ट्रीय कानून के

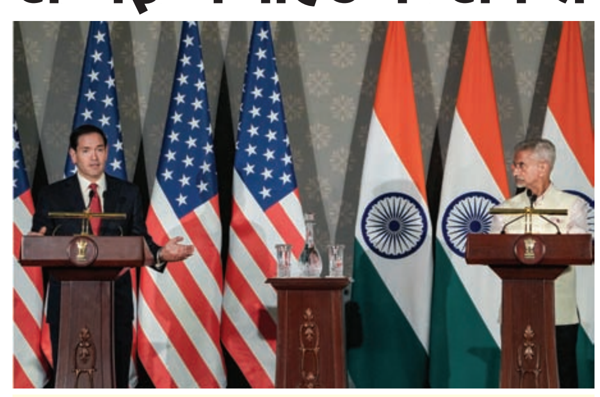

▪ दोनों पक्षों ने रक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों, उच्च प्रौद्योगिकी और आर्थिक सहयोग के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया।

सम्मान की मांग करता है और बाजार हिस्सेदारी तथा संसाधनों के 'हथियार' बनाए जाने के खिलाफ है।

भारत-अमेरिका संबंधों में आई भारी गिरावट के बाद अपने पहले व्यापक संवाद में, दोनों पक्षों ने मुख्य रूप से रक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों, उच्च प्रौद्योगिकी और आर्थिक सहयोग के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया।

जयशंकर के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में रूबियो ने 'पीटीआई-भाषा' के एक प्रश्न के उत्तर में कहा, ''अमेरिका-भारत संबंधों में कोई कमी नहीं आई है। मैं समझता हूं कि कुछ लोग ऐसा क्यों कह सकते हैं। मैं नहीं समझता, लेकिन मैं जनाता हूं कि कुछ लोग ऐसा कहते हैं। यह भारत के बारे में नहीं है। यह व्यापार के संदर्भ में अमेरिका के बारे में है।''

रूबियो ने भारत को अमेरिका का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताया और इस बात पर जोर दिया कि दोनों पक्ष कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर एकमत हैं।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में शटल ट्रेन में विस्फोट, कम से कम 24 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराची/भाषा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को एक शटल ट्रेन में हुए शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम 24 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

प्रतिबंधित संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने क्वेटा में हुए इस धमाके की जिम्मेदारी ली है।

सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान (एपीपी) के अनुसार, यह शटल ट्रेन क्वेटा छावनी से रेलवे स्टेशन की ओर जा रही थी, तभी इसे चमन फाटक के पास निशाना बनाया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संपर्क करने पर बताया कि मृतकों की संख्या 24 तक पहुंच चुकी है, हालांकि उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। उन्होंने कहा, ''चलती ट्रेन में हुआ धमाका बेहद शक्तिशाली था।''

क्वेटा के दो अलग-अलग अस्पतालों के कम से कम दो चिकित्सकों ने पुष्टि की कि शवगृह में 20 शव रखे गए हैं। इनमें से एक चिकित्सक ने कहा, ''मैं आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कह सकता, लेकिन सिविल अस्पताल और बोलान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हमारे पास 20 शव हैं।'' दोनों चिकित्सकों ने यह भी बताया कि महिलाओं और बच्चों समेत 50 से अधिक लोगों का दोनों अस्पतालों में उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ शव और घायल क्वेटा जिला अस्पताल भी ले जाए गए हैं। बीएलए के एक प्रवक्ता ने दावा किया कि यह हमला उस समय किया गया जब ट्रेन छावनी क्षेत्र से सैन्यकर्मियों को ले जा रही थी।

ईरान के साथ समझौते में जल्दबाजी न करें : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि वाशिंगटन और तेहरान ने लगभग तीन महीने से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक शांति समझौते पर बातचीत काफी हद तक पूरी कर ली है।

हालांकि, ट्रंप ने कहा कि उन्होंने वार्ताकारों को समझौते की दिशा में जल्दबाजी नहीं करने का निर्देश दिया है, क्योंकि दोनों पक्षों को उचित समय लेना चाहिए और इसे (समझौता) सही तरीके से करना चाहिए।

ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत व्यवस्थित एवं रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ रही है, लेकिन उन्होंने वार्ताकारों को समझौते की दिशा में जल्दबाजी नहीं करने का निर्देश दिया है, क्योंकि समय हमारे (अमेरिका) पक्ष में है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की अमेरिकी नाकाबंदी तब तक पूरी तरह से जारी रहेगी, जब तक कि किसी समझौते पर सहमति नहीं बन जाती और उस पर हस्ताक्षर नहीं हो जाते।

ट्रंप ने कहा, दोनों पक्षों को उचित समय लेना चाहिए और इसे (समझौता) सही तरीके से करना चाहिए। कोई गलती नहीं होनी चाहिए। उन्होंने ईरान को अब्राहम समझौते में शामिल होने के लिए आमंत्रित भी किया, जो इजराइल और अरब देशों के बीच राजनयिक, आर्थिक एवं सुरक्षा संबंध स्थापित करने से संबंधित है।

ट्रंप की ये टिप्पणियां सोशल मीडिया पर की गई उस घोषणा के एक दिन बाद आई हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि समझौते पर बातचीत काफी हद तक पूरी हो चुकी है और अंतिम पहलुओं एवं विवरणों पर चर्चा की जा रही है, जिसके बाद जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने शनिवार को कहा था कि उन्होंने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र, जॉर्डन, बहरीन और इजराइल के नेताओं से बात की है।

दिल्ली सरकार ने यमुना के पुनरुद्धार के लिए 1,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली सरकार ने अत्यधिक प्रदूषित यमुना नदी के पुनरुद्धार के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए 1,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनमें कई नए जल-मल शोधन संयंत्र (एसटीपी) की स्थापना करना शामिल है। दिल्ली मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने रविवार को एक बयान जारी करके यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली सरकार यमुना नदी के पुनरुद्धार और नजफगढ़ नाले की सफाई के लिए 'मिशन मोड' में काम कर रही है। इन प्रयासों के तहत, गुप्ता ने दिल्ली के जल प्रबंधन, जल-मल शोधन और जल आपूर्ति प्रणालियों को मजबूत करने के लिए 1,000 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की कई परियोजनाओं को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नजफगढ़ क्षेत्र में 12 नए विकेन्द्रीकृत एसटीपी स्थापित करने की मंजूरी दे दी गई है।

केंद्र सरकार की अमृत योजना के तहत लगभग 860 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से विकसित किए जाने वाले इन संयंत्रों की संयुक्त उपचार क्षमता 46.5 मिलियन गैलन प्रति दिन (एमजीडी) होगी।

मित्राऊं में 17 एमजीडी क्षमता वाला एक डीएसटीपी स्थापित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, कैर, कंगनहेरी, काकरोला और दिचाओं कलां में चार विकेन्द्रित मल-जल शोधन संयंत्र (डीएसटीपी), गालिबपुर, सारंगपुर और शिकारपुर में तीन डीएसटीपी और हसनपुर, जाफरपुर, काजीपुर और खेड़ा डाबर में चार डीएसटीपी स्थापित किए जाएंगे।

इन परियोजनाओं से 121 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियों, 35 गांवों और लगभग सात लाख लोगों को लाभ होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि इनसे अनुपचारित सीवेज को नजफगढ़ नाले में जाने से रोका जा सकेगा, जिससे यमुना के पुनरुद्धार और पर्यावरण संरक्षण में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि केशोपुर एसटीपी के पहले चरण का उन्नयन किया जाएगा और इसकी क्षमता 12 एमजीडी से बढ़ाकर 18 एमजीडी की जाएगी।

लगभग 122 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना से यह सुनिश्चित होगा कि उपचारित जल की गुणवत्ता नवीनतम निर्धारित मानकों के अनुरूप हो। गुप्ता ने बताया कि त्रिलोकपुरी विधानसभा क्षेत्र में अमीचंद चौक से पुराने कल्याणपुरी सीवेज पंपिंग स्टेशन तक जाने वाली मुख्य सीवर लाइन का लगभग 57 करोड़ रुपए की लागत से जीर्णोद्धार किया जाएगा। यह सीवर लाइन 40 साल से अधिक पुरानी है और हाल के वर्षों में इसके कई बार धंसने की समस्या उत्पन्न हुई है।

अमरनाथ यात्रा के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की जा रही : जम्मू-कश्मीर पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उधमपुर/भाषा। जम्मू-कश्मीर में तीन जुलाई से शुरू होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए मजबूत बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है तथा सुरक्षा एजेंसियां रियासी और उधमपुर जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में कड़ी निगरानी कर रही हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

रियासी-उधमपुर रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) शिव कुमार शर्मा ने कहा कि सुरक्षित और शांतिपूर्ण यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। डीआईजी शर्मा माता वैष्णो देवी और शिव खोड़ी तीर्थस्थलों तथा दोनों जिलों में आने वाले जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग की सुरक्षा और परिचालन क्षेत्रों की निगरानी करते हैं। करीब 57 दिनों तक चलने वाली यह यात्रा तीन जुलाई से दो मार्गों-अनंतनाग जिले के पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले के 14 किलोमीटर लंबे लेकिन खड़ी चढ़ाई वाले बालटाल मार्ग से शुरू होगी और 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन समाप्त होगी।

शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''फिलहाल हमारा सबसे अधिक ध्यान अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा तैयारियों पर है। सभी आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं और हम पूरी तरह तैयार हैं। हमारी सभी टीमें सक्रिय रूप से काम कर रही हैं और प्रशासन, निजी परिवहन संचालकों तथा अन्य हितधारकों के साथ करीबी समन्वय बनाए रखा जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि हालिया सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर सुरक्षा एजेंसियों ने निगरानी और अभियान गतिविधियां तेज कर दी हैं तथा सभी संवेदनशील और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

डीआईजी ने कहा, ''हम सभी संवेदनशील स्थानों पर करीबी नजर रख रहे हैं। खुफिया सूचनाओं और विभिन्न स्रोतों से मिली जानकारी के आधार पर तलाशी अभियान और सतर्कता बढ़ाने जैसे आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि सेना, पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के बीच निर्बाध खुफिया साझेदारी और परिचालन समन्वय बना हुआ है, ताकि व्यापक सुरक्षा कवच सुनिश्चित किया जा सके।

अमेरिका से चीन को भेजा गया 'गोप्रो कैमरा' लश्कर आतंकवादियों के हाथ कैसे लगा, एनआईए कर रही जांच

पहलगाम (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा पहलगाम आतंकी हमले के संबंध में विस्तृत आरोपपत्र दाखिल करने के बावजूद, जांचकर्ता उस वैश्विक आपूर्ति शृंखला का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि चीन को भेजा गया अमेरिका निर्मित 'गोप्रो कैमरा' आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के हाथों में कैसे पहुंचा। वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पिछले साल जुलाई में दाचीगाम के जंगलों में मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों से बरामद उच्च तकनीक वाले कैमरे ने जम्मू-कश्मीर में आतंकी संगठनों का समर्थन करने के लिए साजो-सामान उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क की जांच की एक महत्वपूर्ण नई दिशा खोल दी है। जम्मू-कश्मीर में आतंकी समूह दुष्प्रचार और मनोवैज्ञानिक युद्ध में बढ़त हासिल करने के मद्देनजर हमलों को रिकॉर्ड करने के लिए कैमरों का इस्तेमाल तेजी से कर रहे हैं।

बुलेट ट्रेन परियोजना : एनएचएसआरसीएल ने नवी मुंबई में दूसरी टनल बोरिंग मशीन को उतारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने नवी मुंबई में मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत सुरंग खंड के लिए दूसरी टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) को काम पर लगाया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

एनएचएसआरसीएल ने एक विज्ञप्ति में बताया कि 350 टन वजनी 'कटरहेड' मशीन को शनिवार को घंसोली के पास साउली में उतारा गया, जो टीबीएम के विभिन्न हिस्सों को काम शुरू करने के लिए जोड़ने का अंतिम चरण है। दूसरी टीबीएम मुंबई के सावली से विक्रोली की ओर सुरंग खोदना शुरू करेगी। पहली टीबीएम को पिछले सप्ताह विक्रोली में काम पर लगाया गया था। विज्ञप्ति के मुताबिक जुलाई के पहले सप्ताह में खुदाई का काम शुरू करने से पहले दोनों मशीनों का अंतिम संयोजन और कमीशनिंग परीक्षण किया जाएगा। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, टीबीएम मशीनों को एक ही सुरंग की खुदाई करने के लिए डिजाइन किया गया है जो हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की अप और डाउन दोनों लाइनों को समायोजित करने के लिए पर्याप्त बड़ी होगी। इसमें कहा गया है कि सुरंग निर्माण कार्यों के दौरान खुदाई और मलबा हटाने के लिए प्रत्येक मशीन 84 कटर डिस्क, 124 स्क्रैपर और 16 बकेट लिप्स से सुसज्जित है। स्लरी आधारित मिक्स शील्ड टीबीएम मशीनों का वजन क्रमशः 3,080 टन और 3,184 टन है, और प्रत्येक की लंबाई 95.32 मीटर है। विज्ञप्ति के मुताबिक टीबीएम मशीनें अधिकतम चार चक्कर प्रति मिनट की कटरहेड गति से काम कर सकती हैं और सुरक्षा मानकों को बनाए रखते हुए 49 मिमी प्रति मिनट तक की खुदाई दर प्राप्त कर सकती हैं।

प्रधान के इस्तीफे तक कांग्रेस चैन से नहीं बैठेगी : नीट पेपर लीक मुद्दे पर राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी तब तक चैन से नहीं बैठेगी, जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं दे देते और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) जैसी परीक्षा में पेपर लीक को रोकने के लिए एक पुख्ता व्यवस्था लागू नहीं हो जाती। उन्होंने हैदराबाद में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों का एक वीडियो साझा किया, जिसमें नीट परीक्षा के पेपर लीक का मुद्दा उठाया गया और प्रधान के इस्तीफे की मांग की गई। छात्रों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रधान के खिलाफ नारे भी लगाए।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, जब लाखों युवा सड़कों पर हैं, 22 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर लगा है और प्रधानमंत्री चुप हैं, तब सरकार प्रतिक्रिया देने पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रही है, बल्कि टालमटोल करने में व्यस्त है। गांधी ने 'एक्स' पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, जब तक धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा नहीं होता और नीट जैसे पेपर लीक रोकने के लिए पुख्ता व्यवस्था नहीं बनती, हम रुकेंगे नहीं।

पेपर लीक होने के कारण नीट-स्नातक परीक्षा रद्द होने के बाद से कांग्रेस मांग कर रही है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान या तो इस्तीफा दें या उन्हें बर्खास्त किया जाए।

राजग सरकार के गिरने के अनुमान वाली राहुल की टिप्पणी महज एक दिवास्वप्न है : फडणवीस

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को राहुल गांधी के इस दावे को खारिज कर दिया कि राजग सरकार जल्द ही गिर जाएगी। फडणवीस ने कांग्रेस नेता के बयान को दिवास्वप्न जैसा बताते हुए इसे महज कोरी कल्पना करार दिया। भाजपा का आरोप है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की बैठक में कथित तौर पर कहा था कि मोदी सरकार एक साल के भीतर गिर जाएगी।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के जल्द गिरने का अनुमान जताने वाले गांधी के बयान के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, एक लोकप्रिय टीवी सीरियल आता था जिसका नाम था 'मुंगेरीलाल के हसीन सपने'। उनका यह बयान उससे ज्यादा कुछ नहीं है। मुख्यमंत्री नागपुर में 'गोदाम लॉजिस्टिक्स पार्क' के उद्घाटन के अवसर पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस अत्याधुनिक 'लॉजिस्टिक्स' पार्क से इलाके के विनिर्माण क्षेत्र को काफी लाभ होगा। उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ इस पार्क का उद्घाटन किया।

छत्तीसगढ़ के कोरबा में भीषण गर्मी के कारण 200 चमगादड़ों की मौत

कोरबा (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के एक गांव में लगभग 200 चमगादड़ मृत मिले। अधिकारियों ने चमगादड़ों की मौत गर्मी होने की आशंका जतायी है। पाली नगर पंचायत में नौकोनिया तालाब के किनारे पेड़ों पर हजारों चमगादड़ों ने शरण ली थी।

कटघोरा संभागीय वन अधिकारी कुमार निशांत ने रविवार को बताया कि शनिवार को स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में चमगादड़ों के जमीन पर मृत पड़े होने जबकि कई के पेड़ से लटके होने की सूचना दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद वनकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे।

अधिकारी ने बताया कि लगभग 200 चमगादड़ों की मौत हो गई और प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी मौत लू लगने से हुई है। उन्होंने बताया कि पशु चिकित्सा विभाग ने मृत्यु के सटीक कारण का पता लगाने के लिए मरे हुए चमगादड़ों के नमूने एकत्र किए।

मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को कोरबा क्षेत्र में तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

त्विषा का दूसरा पोस्टमार्टम संपन्न, रिपोर्ट बनने में कुछ समय लगेगा: एम्स अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/नई दिल्ली/भाषा। मॉडल और अभिनेत्री त्विषा शर्मा की दूसरी पोस्टमार्टम प्रक्रिया रविवार को भोपाल में पूरी हो गई। हालांकि, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रिपोर्ट तैयार होने में कुछ समय लगेगा।

भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में 12 मई को ससुराल वालों के मकान में त्विषा (33) का शव फंदे से लटका हुआ मिला था। उनके परिवार ने ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। हालांकि, त्विषा के ससुराल वालों ने दावा किया है कि उसे नशे की लत थी। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के 22 मई के आदेश पर कार्रवाई करते हुए, एम्स दिल्ली ने दूसरे पोस्टमार्टम के लिए वरिष्ठ चिकित्सकों की चार सदस्यीय टीम का गठन किया था। एम्स, दिल्ली के फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. सुधीर गुप्ता ने कहा, ''रिपोर्ट तैयार होने में कुछ समय लगेगा क्योंकि इसके लिए हिस्टोपैथोलॉजी और विसरा जांच समेत कुछ प्रयोगशाला परीक्षण किए जाने हैं।'' उन्होंने बताया कि चिकित्सकों की टीम ने मामले से जुड़े आकलन के लिए त्विषा के घर और घटनास्थल का भी निरीक्षण किया। डॉ. गुप्ता ने कहा कि टीम सोमवार को नमूने, तस्वीरें, वीडियो और लिखित निष्कर्ष लेकर दिल्ली लौटेगी। चिकित्सकों की टीम रविवार सुबह 10 बजे एम्स पहुंची। इससे पहले, त्विषा शर्मा के परिवार की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता अंकुर पांडे ने बताया था कि दूसरी पोस्टमार्टम प्रक्रिया 3:40 बजे तक पूरी हो गई। उन्होंने कहा था कि त्विषा के भाई और उनकी पत्नी द्वारा शव की पहचान किए जाने के बाद दूसरी पोस्टमार्टम प्रक्रिया शुरू हुई।

मार्च में विदेश यात्रा पर भारतीयों का खर्च घटकर 1.09 अरब डॉलर रहा: आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीयों का विदेश यात्रा पर खर्च मार्च में घटकर 1.09 अरब डॉलर रह गया, जो फरवरी में 1.30 अरब डॉलर था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। जनवरी में विदेश यात्रा पर खर्च 1.65 अरब डॉलर रहा था। 'उदारीकृत धन प्रेषण योजना' (एलआरएस) के तहत आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, भारतीयों द्वारा विभिन्न श्रेणियों में विदेश में भेजा गया कुल धन (रेमिटेंस) मार्च में 2.59 अरब डॉलर रहा, जिसमें सबसे बड़ा हिस्सा यात्रा व्यय का रहा।

एलआरएस के तहत निवासी व्यक्ति एक वित्त वर्ष में 2.50 लाख डॉलर तक का प्रेषण किसी भी वैध चालू या पूंजी खाते के लेनदेन के लिए कर सकते हैं। आंकड़ों के अनुसार, 'अन्य यात्रा' श्रेणी में, जिसमें अवकाश यात्राएं और अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट कार्ड खर्च शामिल हैं, मार्च में 62.30 करोड़ डॉलर खर्च किए गए, जो कुल यात्रा व्यय का लगभग 57 प्रतिशत है। शिक्षा संबंधी यात्रा पर 45.01 करोड़ डॉलर खर्च हुए, जिसमें ट्यूशन फीस और हॉस्टल खर्च शामिल हैं। जबकि व्यापार यात्रा, तीर्थयात्रा और चिकित्सा उपचार पर 2.13 करोड़ डॉलर खर्च हुए। विदेश में रहने वाले परिजनों को भेजे गए धन का प्रेषण मार्च में 38.97 करोड़ डॉलर रहा, जो फरवरी के 26.61 करोड़ डॉलर से अधिक है। 'विदेश में अध्ययन' श्रेणी में खर्च मार्च में घटकर 15.17 करोड़ डॉलर रहा। यह फरवरी के 17.56 करोड़ डॉलर और जनवरी में 26.74 करोड़ डॉलर था। विदेश में अचल संपत्ति की खरीद पर खर्च मार्च में घटकर 3.86 करोड़ डॉलर रह गया, जबकि फरवरी में यह 5.13 करोड़ डॉलर था।

भारत में कोविड के बाद एवीएन के कारण युवाओं में सर्जरी के मामले 40 प्रतिशत बढ़े : विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। भारत में कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद ऑर्थोपेडिक चिकित्सा में एक चिंताजनक प्रवृत्ति सामने आई है और चिकित्सकों के मुताबिक कूल्हे के गठिया (हिप आर्थराइटिस) और 'एवास्कुलर नेक्रोसिस' (एवीएन) के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। 'एवास्कुलर नेक्रोसिस'वह स्थिति है जिसमें कूल्हे की हड्डी में रक्त की आपूर्ति बाधित होने के कारण उत्तकों का क्षय होने लगता है। यह एक दर्दनाक स्थिति है, जो विशेष रूप से युवाओं और मध्यम आयु वर्ग के वयस्कों में देखी जा रही है।

नई दिल्ली के क्राउन प्लाजा होटल में रविवार को आयोजित दूसरे 'दिल्ली हिप 360' सम्मेलन में विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि कोविड के बाद के दौर में कूल्हे के जोड़ों को नुकसान तेजी से बढ़ा है और देश भर में टोटल हिप रिप्लेसमेंट (टीएचआर) सर्जरी की मांग में वृद्धि हुई है। दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन ने इंडियन आर्थ्रोप्लास्टी एसोसिएशन के सहयोग से इस सम्मेलन का आयोजन किया। चिकित्सा विशेषज्ञों ने बताया कि 'एवास्कुलर नेक्रोसिस' कभी मुख्य रूप से वृद्ध वयस्कों या आघात के रोगियों में देखा जाता था लेकिन अब यह समस्या 30 से 40 वर्ष की आयु के व्यक्तियों को भी तेजी से प्रभावित कर रही है। कई मामलों में देरी से निदान होने के कारण बीमारी धीरे-धीरे बढ़ती रहती है, यहां तक कि कूल्हे का जोड़ पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप चलना-फिरना मुश्किल हो जाता है और फिर से सामान्य जीवन जीने के लिए पूरे कूल्हे की सर्जरी की आवश्यकता होती है। 'दिल्ली हिप 360' के आयोजन अध्यक्ष और दिल्ली के मैक्स अस्पताल में ऑर्थोपेडिक्स एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट विभाग के निदेशक डॉ. एल. तोमर ने बताया, युवाओं में कूल्हे की सर्जरी में 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

बदरीनाथ के निकट हिमस्खलन से कंचन गंगा प्रभावित, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोपेश्वर/भाषा। उत्तराखंड के चमोली जिले के बदरीनाथ धाम के पास रविवार सुबह कुबेर भंडार शिखर से हिमस्खलन हुआ, जिससे कंचन गंगा का ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र प्रभावित हुआ है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बदरीनाथ मंदिर से लगभग दो किलोमीटर आगे हुई इस घटना में जान-माल की हानि नहीं हुई।

अधिकारियों ने कहा कि हिमस्खलन से बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोई व्यवधान नहीं हुआ और बर्फ से ढकी चोटियों के आसपास ऐसी घटनाओं को ''सामान्य प्राकृतिक घटनाएं'' बताया। चमोली के जिलाधिकारी गौरव कुमार ने कहा, ''यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और ऐसी घटनाएं समय-समय पर घटित होती रहती हैं।'' कुमार ने कहा कि हिमस्खलन मुख्य सड़क तक नहीं पहुंचा, क्योंकि बर्फ का विशाल ढेर घाटी क्षेत्र के भीतर ही रुक गया था। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में यातायात और दैनिक जीवन पूरी तरह से अप्रभावित रहा। जिलाधिकारी ने जनता से सोशल मीडिया और अन्य मंचों पर फैलाई जा रही अफवाहों को नजरअंदाज करने का आग्रह किया, साथ ही नागरिकों को प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करने की सलाह दी। कुमार ने कहा, ''जिला प्रशासन लगातार इलाके की निगरानी कर रहा है।''

तवी नदी पर पुल बहने के 10 महीने बाद भी नावों के सहारे जिंदगी, मानसून से बढ़ी चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटाल बटाल (नगरोटा)/भाषा। करीब दस महीने पहले अचानक आई बाढ़ में कई गांवों और प्रसिद्ध राजा पद देवता मंदिर को जोड़ने वाला तवी नदी पर बना एक महत्वपूर्ण पुल बह जाने के बाद नगरोटा के कटाल बटाल क्षेत्र के सैकड़ों निवासी आज भी अपनी रोजमर्रा की आवाजाही के लिए नावों पर निर्भर हैं। मानसून के नजदीक आने से उनके लंबे समय तक अलग-थलग पड़ जाने की आशंकाएं फिर बढ़ गई हैं।

यह पुल 4,000 से 5,000 आबादी वाले कई गांवों को जोड़ने वाला एकमात्र सड़क संपर्क था और मंदिर तक पहुंचने का प्रमुख मार्ग भी था। पिछले वर्ष आई भीषण बाढ़ में यह पुल बह गया था। तब से ग्रामीणों, छात्रों, सरकारी कर्मचारियों, मजदूरों, व्यापारियों और श्रद्धालुओं को स्कूल, कार्यस्थल और बाजार पहुंचने के लिए नावों के जरिए नदी पार करनी पड़ रही है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि बारिश के दौरान तवी नदी का जलस्तर बढ़ने पर उनकी जिंदगी लगभग ठहर जाती है, क्योंकि सुरक्षा कारणों से नौका सेवाएं बंद कर दी जाती हैं।

कटाल बटाल निवासी राजेश कुमार ने कहा, ''हम अपने जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। दस महीने से ज्यादा समय हो गया है और पुल बह जाने के बाद हम पूरी तरह शेष हिस्सों से कट गए हैं। यही पुल कई गांवों को जोड़ने वाला एकमात्र सड़क संपर्क था। इस दौरान सरकार ने कुछ नहीं किया।'' ग्रामीणों का आरोप है कि मंत्रियों, नेताओं और सरकारी प्रतिनिधियों के बार-बार दिए गए आश्वासन अब तक खोखले साबित हुए हैं, जिससे पूरा इलाका राज्य के बाकी हिस्सों से कटा हुआ है और लोग रोजमर्रा की परेशानियों से जूझ रहे हैं।

संतोष सिंह नामक व्यक्ति ने कहा, ''पुल टूटने के बाद शुरुआती कई महीनों तक छात्रों, कर्मचारियों, मजदूरों और व्यापारियों के लिए केवल एक नाव उपलब्ध थी। अब तीन नाव चल रही हैं, जो हर दिन कई गांवों के सैकड़ों लोगों को नदी पार कराती हैं।'' उन्होंने कहा कि विधायकों ने तवी नदी पर पुल बनाने का वादा किया था, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा, ''हमें नजरअंदाज और अलग-थलग कर दिया गया है। यह सरकार के लिए शर्म की बात है।'' फिलहाल नाव सेवा ही संपर्क का एकमात्र व्यावहारिक साधन है, जिसे पुल बह जाने के बाद गांवों को पूरी तरह अलग-थलग होने से बचाने और लोगों की रोजाना आवाजाही आसान बनाने के लिए शुरू किया गया था। हालांकि, लोगों को डर है कि मानसून के दौरान तवी नदी का जलस्तर बढ़ने पर यह व्यवस्था भी ठप पड़ जाएगी। जम्मू से राजा पद देवता मंदिर में एक समारोह में शामिल होने आई श्रद्धालु अंजू गुप्ता ने कहा, ''पुल टूटा हुआ है, चारों तरफ पानी है, इसलिए आने-जाने का कोई रास्ता नहीं है। हम प्रशासन से इस मामले पर ध्यान देने की अपील करते हैं। कई लोग यहां आए और वादे किए, लेकिन किसी ने कुछ नहीं किया।'' अन्य श्रद्धालु देविका ने स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं दोनों के लिए बेहतर सुविधाओं की मांग की।

कोयंबटूर बच्ची हत्या मामला: मुख्यमंत्री विजय ने बच्ची के परिवार से बात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सालेम/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने कोयंबटूर की उस 10 वर्षीय बच्ची के परिजन से फोन पर बात की, जिसका कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के बाद हत्या कर दी गई थी। बच्ची की दादी ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें न्याय दिलाने का आश्वासन दिया।

बच्ची की दादी ने यहां संवाददाताओं से कहा, मुख्यमंत्री ने परिवार से बात की और न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने हमारा हालचाल पूछा और यह जानना चाहा कि क्या हमारे पास घर है। उन्होंने कहा कि वह हमारे साथ हैं और हमें चिंता करने की जरूरत नहीं है।

कोयंबटूर के सुलूर में बच्ची के कथित यौन उत्पीड़न और हत्या का मामला सामने आने के बाद पूरे तमिलनाडु में आक्रोश फैल गया है।

विपक्ष के विरोध-प्रदर्शन के बाद, मुख्यमंत्री विजय ने शनिवार को सख्त कार्रवाई का वादा किया। इस घटना के सिलसिले में बच्ची के एक परिचित समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

तमिलनाडु में बच्चों के खिलाफ अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सक्रिय कदम उठाए जा रहे हैं: मंत्री राजमोहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मंत्री राजमोहन ने रविवार को कहा कि बच्चों के खिलाफ अपराध पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार सक्रिय कदम उठा रही है। उन्होंने कोयंबटूर में 10 वर्षीय बच्ची के यौन उत्पीड़न और हत्या की घटना को ''अस्वीकार्य'' बताया।

स्कूली शिक्षा मंत्री ने इस घटना को ''बड़ी क्षति'' करार देते हुए कहा कि ऐसे अपराधों की रोकथाम के लिए सरकार सख्त पुलिस कार्रवाई और जनभागीदारी दोनों स्तरों पर काम कर रही है। मंत्री ने कहा, ''पुलिस अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई की है। सभी जिलों में आदतन अपराधियों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र सक्रिय किया गया है।'' उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में राज्य के महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव बहाल किए जाने के संकेत भी दिए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के साथ चर्चा की जाएगी। मंत्री ने पीड़ितों की सुरक्षा और संस्थागत सहयोग पर जोर देते हुए 'यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण' (पॉक्सो) अधिनियम के बारे में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता बताई। तमिलनाडु के शैक्षणिक संस्थानों में पिछले 20 वर्षों से छात्रसंघ चुनाव नहीं होने के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं में राजनीतिक जागरूकता को बढ़ावा देने के पक्ष में है। मंत्री ने दावा किया, अन्य दलों ने केवल अपनी फिल्मों में छात्र राजनीति को पेश किया, लेकिन वास्तविकता में इसे कभी जमीनी स्तर पर साकार नहीं होने दिया।'' उन्होंने कहा, ''छात्रसंघ चुनाव के मुद्दे पर विभागीय पहलुओं की गहन समीक्षा की जाएगी, मुख्यमंत्री के साथ चर्चा होगी और उचित समय पर फैसला घोषित किया जाएगा।''

इस बीच, तमिलनाडु की उद्योग मंत्री एस. कीर्तना, जिन्हें इस घटना के बारे में मीडिया से बात करते समय मुस्कुराने और अपने अस्पष्ट जवाब के लिए ऑनलाइन काफी आलोचना का सामना करना पड़ा है, ने अपने हावभाव की ''गलत व्याख्या'' को स्पष्ट करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''यह (मुस्कान) किसी विशेष प्रश्न या घटना पर प्रतिक्रिया नहीं थी। हालांकि, यह दुखद है कि मेरे हावभाव की गलत व्याख्या की गई है और जानबूझकर राजनीतिक उद्देश्यों के लिए गलत सूचना फैलाने के लिए इसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है।''

कीर्तना ने कहा कि ऐसी भावनात्मक रूप से संवेदनशील स्थिति में, निराधार आलोचना, व्यक्तिगत हमले और अनावश्यक हमले चिंताजनक हैं।

विजय को रोकने में विफल रहने के कारण हताशा में काम कर रही द्रमुक : कांग्रेस सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। कांग्रेस सांसद बी. मणिकम टैगोर ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर निशाना साधते हुए पार्टी के कांग्रेस विरोधी रुख को ''नाटक'' करार दिया और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को लेकर द्रमुक की योजना विफल हो जाने के कारण वह हताशा में ऐसा कर रही है। उन्होंने शनिवार को द्रमुक के युवा प्रकोष्ठ की बैठक में कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी के खिलाफ पारित प्रस्ताव को भी खारिज किया।

विरुधुनगर से लोकसभा सदस्य टैगोर ने 23 मई की देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, द्रमुक की युवा इकाई कांग्रेस और राहुल गांधी को निशाना बना रही है क्योंकि उनकी योजना विफल हो गई। उनकी योजना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इच्छा के अनुरूप विजय को मुख्यमंत्री बनने से रोकने की थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने दावा किया कि वाम दलों (माकपा), वीसीके और आईयूएमएल के नेताओं ने भी द्रमुक के पिछले दरवाजे से किए जा रहे राजनीतिक सौदों को उजागर किया है। टैगोर ने द्रमुक पर धर्मनिरपेक्षता का मुखौटा पहनने और साथ ही भाजपा के साथ ''गुप्त समझौते'' करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने दावा किया, विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के दौरान ही द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच गुप्त वार्ता शुरू हो गई थी। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने इसमें मध्यस्थ की भूमिका निभाई। अब यह धीरे-धीरे सार्वजनिक हो रहा है।

कांग्रेस द्वारा द्रमुक नीत सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस से अलग होकर विजय की तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) का समर्थन करने के फैसले का बचाव करते हुए टैगोर ने कहा कि उनकी पार्टी भाजपा के साथ कभी समझौता नहीं करेगी। उन्होंने कहा, हमारी स्थिति पांच मई को ही स्पष्ट हो गई थी। भाजपा के साथ गुप्त समझौते की राजनीति करने वालों से बातचीत का कोई मतलब नहीं है। हमारा फैसला साफ था-कांग्रेस तमिलनाडु में केवल धर्मनिरपेक्ष सरकार का ही समर्थन करेगी।''

मदुरै, विलुपुरम में बेरोजगारी के खिलाफ 'कॉकरोच रैली' निकाली गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै/विलुपुरम/भाषा। मदुरै और विलुपुरम में रविवार को सैकड़ों युवा सड़कों पर उतर आए और तमिलनाडु में अपनी तरह की पहली 'कॉकरोच रैली' निकाली।

यह प्रदर्शन बेरोजगारी और उच्चतम न्यायालय के एक वरिष्ठ न्यायाधीश की ओर से हाल में बेरोजगार युवाओं की तुलना 'कॉकरोच' से किए जाने के घटनाक्रम का विरोध जताने के लिए आयोजित किया गया था।

मदुरै में डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) और स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने संयुक्त रूप से 'कॉकरोच रैली' निकाली। इस रैली को 'कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी)' के समर्थकों का भरपूर समर्थन मिला।

पिछले हफ्ते भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने एक मुकदमे की सुनवाई के दौरान ''कॉकरोच'' और ''परजीवी'' जैसी टिप्पणियां की थीं, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया था। इन टिप्पणियों के विरोध में 'कॉकरोच जनता पार्टी' नाम का एक व्यंग्यात्मक डिजिटल संगठन अस्तित्व में आया था।

सीजेआई ने बाद में स्पष्ट किया कि ''फर्जी डिग्रियों'' के माध्यम से विधि पेशे में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों पर लक्षित उनकी टिप्पणियों को गलत तरीके से उद्धृत किया गया था।

'कॉकरोच रैली' गांधी संग्रहालय परिसर से शुरू हुई। इसमें शामिल युवा हाथों में हमें काम चाहिए, हमें जीवन चाहिए, हमें सम्मान चाहिए और बेरोजगार कॉकरोच की रैली लिखी तख्तियां थामे हुए थे।

प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और उस पर हर साल दो करोड़ नौकरियां प्रदान करने का वादा निभाने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। उन्होंने पेट्रोल-डीजल और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर भी केंद्र की आलोचना की।

'कॉकरोच रैली' थमुक्कम ग्राउंड में तमिल अन्नाई की प्रतिमा के सामने प्रदर्शन के साथ समाप्त हुई।

उधर, विलुपुरम में नए बस स्टैंड के पास भी डीवाईएफआई के जिला आयोजक अरिवलगन के नेतृत्व में इसी तरह का विरोध-प्रदर्शन किया गया।

प्रमुख आयोजक सेल्वम ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, भारत के युवा भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति वर्ष दो करोड़ नौकरियां प्रदान करने के अधूरे वादे के खिलाफ ऑनलाइन एकजुट हुए हैं। हम आज सड़कों पर उतरकर मोदी सरकार से तत्काल रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं।

केरल में बकरीद के लिए दो दिन की छुट्टी

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार के कर्मियों और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को अगले सप्ताह दो दिन की छुट्टी मिलेगी क्योंकि राज्य प्रशासन ने 27 मई के अतिरिक्त 28 मई को भी बकरीद की छुट्टी घोषित कर दी है।

सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि 27 मई को पहले ही बकरीद के लिए अवकाश घोषित किया जा चुका था। चूंकि राज्य में ईद-उल-अजहा (बकरीद) 28 मई को मनाई जा रही है, इसलिए सरकार ने बृहस्पतिवार 28 मई 2026 को भी अवकाश घोषित करने का निर्णय लिया है।

इसमें कहा गया है कि बृहस्पतिवार को सभी सार्वजनिक क्षेत्र के सभी उपक्रमों, व्यावसायिक संस्थान सहित शैक्षणिक संस्थान और नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट 1881 के अंतर्गत आने वाले संस्थानों समेत राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों में अवकाश रहेगा।

पिछले साल, सरकार द्वारा बकरीद की छुट्टी में बदलाव करने के बाद राज्य में राजनीतिक विवाद उत्पन्न हो गया था। मूल रूप से, छह जून 2025 को बकरीद की छुट्टी निर्धारित की गई थी।

'कॉकरोच जनता पार्टी' देश में युवाओं के बीच बढ़ती बेचैनी का प्रतिबिंब: वेणुगोपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर/भाषा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 'कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी)' के खिलाफ केंद्र सरकार की कार्रवाई की रविवार को आलोचना करते हुए कहा कि यह व्यंग्यात्मक डिजिटल संगठन देश के युवाओं में बढ़ती बेचैनी का प्रतिबिंब है और इसे दबाया नहीं जाना चाहिए।

वेणुगोपाल ने केरल के त्रिशूर में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि अगर युवा पीढ़ी की चिंताओं को नजरअंदाज किया जाता रहा, तो 'कॉकरोच जनता पार्टी' का आंदोलन एक व्यापक राजनीतिक विरोध आंदोलन में तब्दील हो सकता है।

कांग्रेस नेता ने एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत आज जिस सबसे बड़ी समस्या का सामना कर रहा है, वह ऐसी सरकार का अभाव है, जो लोगों की समस्याओं का समाधान कर सके। वेणुगोपाल ने कहा, ''युवा ऐसी सरकार चाहते हैं, जो उनकी भावनाओं और चिंताओं का सम्मान करे। अगर ऐसे आंदोलनों को दबाने की कोशिश की गई, तो ये और भी मजबूत होंगे।'' कांग्रेस नेता ने सीजेपी से जुड़े घटनाक्रमों को जनता के आक्रोश की अभिव्यक्ति बताया, जिसका उद्देश्य ''सरकार की आंखें खोलना'' है।

उन्होंने कहा कि ऐसी भावनाओं को कुचलने का प्रयास करने के बजाय उन्हें सकारात्मक रूप से देखा जाना चाहिए। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई युवाओं को विरोध-प्रदर्शन की ओर धकेल रही है। उन्होंने सवाल किया कि युवाओं में बढ़ती निराशा के लिए कौन जिम्मेदार है।

वेणुगोपाल ने ईंधन की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि पेट्रोल-डीजल की कीमतें हर दिन तेजी से बढ़ रही हैं और देश के लिए आगे कठिन समय आने वाला है।

एआईसीसी महासचिव ने कहा, ''प्रधानमंत्री को प्रदर्शनकारियों के गुस्से को दबाने की कोशिश करने के बजाय लोगों के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना चाहिए।''

वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ईंधन की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी उपाय करने में विफल रही है।

शबरिमला सोना चोरी मामले में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा : केरल के देवस्वोम मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवंतपुरम/भाषा। केरल के देवस्वोम मंत्री के. मुरलीधरन ने रविवार को कहा कि शबरिमला सोना चोरी मामले में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह किसी भी पार्टी का हो, बख्शा नहीं जाएगा।

मुरलीधरन ने कहा कि वह विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं और उसी के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, ''ईश्वर से चोरी करने वाले किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। वे चाहे कोई भी हों और चाहे किसी भी दल से संबंधित हों, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी अपराधी को संरक्षण नहीं दिया जाएगा।'' राज्य के स्वास्थ्य विभाग की भी जिम्मेदारी संभाल रहे मुरलीधरन ने यहा संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि दुनिया के अन्य हिस्सों में इबोला के सामने आये मामले को लेकर चिंतित होने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि भारत में अभी तक कोई मामला सामने नहीं आया है, और विदेश से आने वाले लोगों में शुरुआती लक्षणों का पता लगाने के लिए हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर कड़ी जांच प्रणाली स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि केरल के प्रमुख रेलवे स्टेशन में भी ऐसी व्यवस्था स्थापित करने के निर्देश जारी किए गए हैं, क्योंकि विदेश से आए और अन्य राज्यों में उतरे कुछ लोग ट्रेन से दक्षिणी राज्य की यात्रा कर सकते हैं।

मंत्री ने कहा कि तिरुवनंतपुरम, कोच्चि, कोझिकोड और कन्नूर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पृथकवास वार्ड स्थापित किए गए हैं और विदेश से आने वालों से आग्रह किया है कि बुखार, खांसी या खून के साथ दस्त जैसे शुरुआती लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सकों से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि सरकार ने सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है ताकि वहां आने वाले लोगों की बेहतर देखभाल की जा सके।

मुरलीधरन ने कहा कि तिरुवनंतपुरम में दूसरा सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित किया जाएगा, और अलाप्पुझा जिले के हरिपाद में एक नया मेडिकल कॉलेज खोला जाएगा तथा पहले से मौजूद चिकित्सा महाविद्यालयों में और अधिक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

केलकर के केरल मुख्यमंत्री के सचिव का कार्यभार संभालने के बाद माकपा ने साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी रतन यू केलकर के रविवार को केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन के सचिव के रूप में कार्यभार संभालने के बाद मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर निर्वाचन अधिकारियों से संबंधित नियुक्तियों में ''दोहरा मापदंड'' अपनाने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने केलकर के कार्यभार संभालने की तस्वीरें जारी कीं। सरकार द्वारा पूर्व मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मुख्यमंत्री का सचिव नियुक्त किया गया था। केलकर की नियुक्ति को लेकर राजनीतिक विवाद छिड़ गया है।

खबरों में यह भी कहा गया कि मुख्यमंत्री सतीशन ने अधिकारी को रविवार होने के बावजूद तुरंत पदभार ग्रहण करने का निर्देश दिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने मुख्यमंत्री कार्यालय में एक महत्वपूर्ण पद पर अधिकारी की नियुक्ति को लेकर पूछे गए सवालों का सीधे जवाब देने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि यह मामला प्रशासनिक प्रकृति का है और ऐसे मामलों में निर्णय लेना सरकार का अधिकार है। वेणुगोपाल ने त्रिशूर में पत्रकारों से कहा, ''ऐसे मामलों पर मेरी कोई राय नहीं है। जो लोग सरकार में हैं, उन्हें निर्णय लेने दें।''

इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए माकपा के राज्य सचिव एम वी गोविंदन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस भाजपा शासित राज्यों में इसी तरह की नियुक्तियों की अपनी पिछली आलोचना की तुलना में विपरीत रुख अपना रही है। गोविंदन ने आरोप लगाया, ''जब पश्चिम बंगाल में एक पूर्व निर्वाचन अधिकारी को एक महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया, तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसकी कड़ी आलोचना की थी। लेकिन जब केरल में ऐसा ही कदम उठाया जाता है, तो के.सी. वेणुगोपाल कहते हैं कि यह शासन में बैठे लोगों की जिम्मेदारी है। यह स्पष्ट रूप से दोहरा मापदंड है।'' उन्होंने दावा किया कि हाल में हुए विधानसभा चुनाव के संचालन से संबंधित विभिन्न मुद्दों को लेकर केलकर को केरल में व्यापक आलोचना का सामना करना पड़ा था, जिसमें हजारों मतदाताओं को मतदान का अवसर देने से कथित तौर पर वंचित करना भी शामिल था। जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या यह नियुक्ति किसी ''समझौते'' का हिस्सा है, तो गोविंदन ने कहा, ''आने वाले दिनों में सब कुछ सामने आ जाएगा''।

केरल के मुख्यमंत्री ने गुरुवायूर मंदिर में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुवायूर (केरल)/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने रविवार को यहां के प्रसिद्ध गुरुवायूर श्री कृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना की।

गुरुवायूर देवस्वोम द्वारा फेसबुक पर साझा की गई एक पोस्ट के अनुसार, मुख्यमंत्री ने मक्खन चढ़ाकर पारंपरिक 'तुलाभारम' अनुष्ठान भी किया। पोस्ट में कहा गया है कि पदभार ग्रहण करने के बाद मुख्यमंत्री की यह मंदिर की पहली यात्रा थी। सतीशन सुबह करीब सात बजे मंदिर पहुंचे, जहां देवस्वोम के अध्यक्ष ए वी गोपीनाथ और प्रशासक ओ बी अरुण कुमार ने उनका स्वागत किया। देवस्वोम के अध्यक्ष ने शॉल भेंट करके उनका अभिनंदन किया। पोस्ट में बताया गया है कि तुलाभारम के लिए लगभग 71 किलोग्राम मक्खन का इस्तेमाल किया गया।

मुख्यमंत्री हर महीने एक बार मंदिर आते हैं। बाद में, सतीशन ने मंदिर परिसर में राजस्व मंत्री ए पी अनिल कुमार के बेटे के विवाह समारोह में भी भाग लिया।

सार्वजनिक सूचना

मेसर्स टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय बी ब्लॉक, 34 संत तुकाराम रोड, कार्नाक बंदर, मुंबई 400009, भारत में है, भारत सरकार के समक्ष विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के तहत उन सभी शक्तियों को प्राप्त करने हेतु आवेदन करने का इरादा रखती है, जो भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के तहत टेलीग्राफ प्राधिकरण के पास टेलीग्राफ लाइनों और खंभों को लगाने के संबंध में होती हैं। यह शक्तियाँ बिजली के पारेषण के लिए, बिजली लाइनों या विद्युत संयंत्र स्थापित करने, या कार्यों के उचित समन्वय के लिए आवश्यक टेलीफोनिक या टेलीग्राफिक संचार के उद्देश्य से मांगी जा रही हैं। कंपनी निम्नलिखित पारेषण योजना के लिए सर्वेक्षण निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, फिटिंग और अन्य कार्यों के साथ-साथ कमीशनिंग, संचालन और रखरखाव का कार्य करेगी:

पारेषण योजना का नाम: मेसर्स टाटा पावर रिन्यूएबल ,एनर्जी लिमिटेड की 302-2 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजना, करूर, तमिलनाडु के लिए, कनेक्टिविटी प्रदान करने हेतु पारेषण प्रणाली।

योजना के अंतर्गत आने वाली पारेषण लाइन: मेसर्स टाटा पावर रिन्यूएबल ,एनर्जी लिमिटेड का जेनरेशन पूलिंग स्टेशन (जेनरेशन स्विचयार्ड गांव मंजनैक्कन पट्टी, तालुका कडावुर, जिला करूर, तमिलनाडु में स्थित) से पुगलूर पीएस (ISTS S/s) 230 kV S/c लाइन (D/c टावरों पर) लाइन की लंबाई लगभग 40 किमी है,

उपरोक्त योजना के अंतर्गत आने वाली पारेषण लाइन निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों के बीच से, ऊपर से, आसपास से होकर गुजरेगी:

गांवों का नाम	तहसील/तालुका	जिला	राज्य
पलपट्टी, नट्टपट्टी, चेलन्दिपुरम, कल्लाबोम्मनपट्टी, करलप्पनपट्टी, पिचमपट्टी, मंजनैक्कनपट्टी (मंजनैक्कन पट्टी, मंजनायक्कनपट्टी), राजकोविलुर, कुम्मयमपट्टी	कडवूर	करूर	तमिलनाडु
मुत्तक्कापट्टी (मुथक्कापट्टी, मुत्तकापट्टी), श्रीरंगकवुंदनपुदुर, श्रीरंगमपट्टी (सीरंगमपट्टी), कन्निमर्पम, पेरुमलकोविलपट्टी, पुदुर, सुक्कनकलम, लंदकोट्टई, मणिक्कापुरम, डी- कुडलूर	गुजिलियमपराई	डिंडीगुल	तमिलनाडु
बोम्मनुट्टुप्पट्टी, जगतबी (जगदबी), अय्यमपम (अय्यमपलायम), पलवारपट्टी, ओंदमपट्टी, तिरुमलैनादमपट्टी, कृष्णरेड्डीयुर, मुत्तक्कापट्टी, नडुमेट्टुप्पट्टी, मेट्टुप्पट्टी, लक्ष्मीपुरम, मामरत्तुप्पट्टी, पल्लसेंगनूर, पचाप्पट्टी, वेल्लियानाईपुदुर, जेल्लीप्पट्टी, कोलत्तूर, तालियापट्टी, चेट्टीचिन्नाकवुंदनूर, चिन्ना तलपट्टी, देवकवुंदनूर, मेट्टुकवुंदनूर, वेंकटपुरम, किलक्केनेट्टुपुदुर, कुमारपालयमपुदुर, सेलन्दिपट्टी, कुमारपम (कुमारपालयम), तिरुमुडिकवुंदनूर, वेल्लियानाई (वेल्लियानाई दक्षिण, वेल्लियानाई उत्तर), वेल्लापकवुंदनपुदुर, अरुमुक्करनपुदुर, वरप्पट्टी, तालियापट्टी, कन्निमर्पम (कन्निमर्पालयम), विजयपुरम, अम्मापट्टी, तोट्टियापट्टी, विरानमपम (विरानपालयम), मुत्तुकुलियुर, कंदसारपट्टी, नट्टामेडु, कोरवपट्टी, वलकाट्टुपुदुर, चिन्नम्मकुट्टैपुदुर, नल्लमकिल्लीपट्टी, तम्मनयक्कनपट्टी, वेल्लैकवुंदनपट्टी, किल पशुपतिपम, मेल पशुपतिपम, कक्कवडी, वेलप्पकवुंदनपुदुर, करसुक्काट्टुपुदुर, अम्मैयप्पकवुंदनपुदुर, पुट्टम्बूर, कालीपलयम, वडुगप्पट्टी, नोचिप्पट्टी, चिन्ना मुक्कनंकुरिची, चिन्ना कोलत्तूपम (चिन्नकोलत्तूपलयम), वेदिक्करमपट्टी, पगानट्टम, अवुट्टिपम (अवुट्टीपलयम), मंजनैक्कनपट्टी, सोनियाप्पकवुंदनपुदुर, वेलमपाडी, के, पिचमपट्टी, बगनाथम	करूर	करूर	तमिलनाडु
ड्डुक्करई, काक्रमपट्टी, मलैयुर, तिरुमाणिक्कमपट्टी, वेल्लाक्कमपट्टी, पनैयामपलयम (पी. अनैपलयम), ओंदमपट्टी, मलैकोविलुर, मीनाक्षीपुरम, चिन्नमपट्टी, सीतापट्टी कॉलोनी, सीतापट्टी, कोडैयुर, कुप्पमेट्टुप्पट्टी, वल्लुवरनगर, वेंकटपुरम, वडुगा नागम्पल्ली, मुलप्पट्टी, करुवदमपट्टी, रंगपलयम, ओडामेडु, नल्लाकुमारनपट्टी, अरसमपलयम, अनैपलयम, कंगेयमपलयम, पुदुर, वेल्लारीपट्टी, पशुपतिपलयम, सेंगलपुरम, तुम्बीवडी, पुरविपलयम, कुलत्तूर, पुदुक्कनल्ली, कासीपलयम, मुडिकनम, अरियुर, निमिंदपट्टी, तोट्टियावडी, नल्लसेल्लीपलयम, वेंकटपुरम, पुलंकलीवलसु, मणिक्कापुरम, मयकवुंदनकलम, देवचकवुंदनपुदुर, पी. अनैपलयम	अरावकुरिची	करूर	तमिलनाडु
मणलमेडु, पल्लमपट्टी, तलपट्टी (थालप्पाडी), सेम्मंदमपलयम, इलुप्पाक्किनाट्टुप्पट्टी, किलुवमपलयम, मलाचीपुदुर, कंदसामीपलयम, वालनायक्कनपट्टी, नेडुंगुर, मलैपलयमपुदुर, कशपुदुर, पूमंदमपलयम, पुदुक्कनल्ली, करुदैयामपलयम, सुरियमपलयम, वेलप्पकवुंदनूर, कालीपम (कालीपलयम), पनैपलयम, पशुपतिपलयम, सेलवापुरम, लक्ष्मीपुरम, वरदराजपुरम, मेर्कु नेडुंगुर, आदिरेड्डीपलयम, राजीव नगर, पल्लपलयम	मनमंगलम	करूर	तमिलनाडु
वेल्लामद्दपट्टी	डिंडीगुल	डिंडीगुल	तमिलनाडु
पवित्रन, करुदैयामपलयम, नेडुंगुर	पुगलूर	करूर	तमिलनाडु

प्रस्तावित मार्ग संरेखण की एक प्रति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। सामान्य जन को सूचित किया जाता है कि इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से दो माह के भीतर प्रस्तावित ट्रांसमिशन प्रणाली के संबंध में अपने आपत्ति/सुझाव लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत करें।

अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें:
नाम: मथनराज डी, पदनाम: प्रोजेक्ट मैनेजर – पवन निष्पादन, मेसर्स टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड
बी ब्लॉक, 34 संत तुकाराम रोड, कारनाक बंदर, मुंबई 400009
ईमेल: mathanraj.d@tatapower.com, फोन: .91 9834032256

गंगा दशमी को मुख्यमंत्री करेंगे बीसलपुर बांध पर जल पूजन, भरतपुर में गंगा आरती व दीपदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा 25 मई से 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' की शुरुआत की जा रही है। गंगा दशमी के शुभ अवसर पर प्रारंभ होने वाला यह अभियान विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) तक चलेगा। अभियान का उद्देश्य केवल जल स्रोतों की साफ-सफाई या पौधारोपण तक सीमित नहीं होकर समाज के प्रत्येक वर्ग को जल संरक्षण की सामूहिक जिम्मेदारी से जोड़ते हुए इसे जीवन का प्रण बनाना है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन के साथ पंचायतों, स्वयंसेवी संस्थाओं, धार्मिक संगठनों, उद्योगपतियों, युवाओं, महिलाओं और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। प्रदेश में वर्षा की अनियमितता और लगातार बढ़ती जल आवश्यकताओं को देखते हुए परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण को अभियान का मुख्य आधार बनाया गया है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री 25 मई को टोंक में बीसलपुर बांध पर जल पूजन और शिव मंदिर में अभिषेक के साथ अभियान का शुभारंभ करेंगे। साथ ही, मुख्यमंत्री ईसरदा, बंध बरेठा और गालवा बांध का हवाई सर्वेक्षण भी करेंगे। इसी दिन मुख्यमंत्री भरतपुर के गंगा माता मंदिर में आरती और सुजानगंगा नहर में दीपदान भी करेंगे।

प्रदेशभर में इसी दिन कुओं, बावड़ियों, तालाबों, नहरों एवं अन्य जल स्रोतों के पूजन के साथ जिला स्तरीय अभियान की शुरुआत होगी। इस दौरान जिले से लेकर ग्राम स्तर तक जल स्रोतों पर स्वच्छता अभियान, श्रमदान, दीप प्रज्वलन और जन-जागृति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, जल संसाधन विभाग द्वारा जल उपयोगिता संगम और किसानों के सहयोग से नहरों एवं खालों की साफ-सफाई की जाएगी। साथ ही, नदी, बांधों, सरोवर एवं नहरों पर पूजन किया जाएगा। वहीं, नए जल संरक्षण कार्यों का शिलान्यास, भूमि पूजन एवं पूर्ण कार्यों का लोकार्पण भी किया जाएगा। विद्यार्थियों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से वंदे गंगा प्रभात फेरियां, गंगा दशहरा की महत्ता पर लेखन प्रतियोगिताएं तथा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राजीविका से जुड़ी महिलाओं द्वारा कलश यात्राएं निकाली जाएंगी तथा पीपल पूजन, पौधारोपण एवं ईको फ्रेंडली स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी।

मंगलवार, 26 मई को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा जल संरक्षण एवं जनभागीदारी को लेकर नुक्कड़ नाटक आयोजित किए जाएंगे। वहीं, अधिकतम संख्या में लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई जाएगी। साथ ही, अमृत सरोवर एवं अन्य जल संरक्षण संरचनाओं के नए कार्यों का शिलान्यास और पूर्ण कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण की अग्रिम तैयारियों के साथ 'कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान' के तहत जल संरक्षण कार्यों की शुरुआत भी होगी।

27 मई को पशुपालन, गोपालन, देवस्थान विभाग, आरसीडीएफ एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा गोशालाओं, पशु चिकित्सालयों और दुग्ध संघों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जिला एवं ब्लॉक स्तर पर धार्मिक संगठनों, व्यापारिक संस्थाओं, भामाशाहों और गणमान्य नागरिकों की संगोष्ठियां आयोजित कर जल संरक्षण को लेकर संवाद किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने 5 किलोमीटर साइकिल चला कर खेलों के प्रति जागरूकता और फिटनेस का दिया संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में रविवार को फिट इंडिया साइकिल संडे कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष इस आयोजन की थीम कॉमनवेल्थ डे 2030 रखी गई थी, जिसमें खिलाड़ियों, अधिकारियों, युवाओं और फिटनेस प्रेमियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण स्टेडियम परिसर के चारों ओर आयोजित साइकिल रैली रही। इस रैली का उद्देश्य नागरिकों में शारीरिक स्वास्थ्य, स्वस्थ जीवनशैली और कॉमनवेल्थ खेल 2030 के प्रति जागरूकता फैलाना था। इसके साथ ही जुम्बा सत्र भी आयोजित किया गया, जिसने कार्यक्रम को और अधिक ऊर्जावान बना दिया।

इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थित रहीं। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने सीआरपीएफ जवानों एवं अन्य प्रतिभागियों के साथ 5 किलोमीटर साइकिल चलाकर देशभक्ति और खेल उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल उत्सव नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य चेतना और कॉमनवेल्थ 2030 की तैयारी की दिशा में एक सार्थक शुरुआत है। केंद्रीय सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें सीआरपीएफ के डीआईजी श्री बृजेश तथा सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट प्रमुख रहे।

राजस्थान राज्य खेल परिषद के सचिव प्रवीण गुप्ता और वित्त सचिव टीना सोनी ने भी साइकिलिंग कार्यक्रम में स्वयं भाग लेकर युवाओं को प्रेरित किया। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अधिकारियों ने भी युवा भागीदारी और फिटनेस जागरूकता को प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम में वक्ताओं ने शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व, सामुदायिक खेल भागीदारी और भारत के बढ़ते खेल परिवेश पर प्रकाश डाला।

प्रतिभागियों ने इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि जयपुर तथा पूरे राजस्थान में ऐसे और अधिक सार्वजनिक फिटनेस कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। कार्यक्रम का समापन एक सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने फिटनेस, अनुशासन और वैश्विक मंच पर भारत की खेल महत्वाकांक्षाओं के समर्थन का प्रण लिया।

बालोतरा का सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स देश की सामरिक सुरक्षा में निभाएगा अहम भूमिका : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पश्चिम राजस्थान का बालोतरा जिला रिफाइनरी जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना से देश की ऊर्जा सुरक्षा के साथ सामरिक और आर्थिक सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभाने जा रहा है। यहां सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स में दुर्लभ खनिजों का ऐसा भंडार मिला है, जो भारत को रॉकेट से लेकर न्यूक्लियर प्लांट्स का कच्चा माल उपलब्ध करवाने और देश को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में सहायक होगा।

केन्द्रीय खान मंत्रालय की टेक्निकल कम कॉस्ट कमिटीज की संयुक्त बैठक में सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स में मौजूद दुर्लभ खनिजों के भंडार को रेखांकित किया है। हाल ही में आयोजित इस बैठक में बताया गया कि कॉम्प्लेक्स के तीन भागों में रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई), हैवी रेयर अर्थ एलिमेंट्स (एचआरईई) और क्रिटिकल रेयर मेटल्स का विशाल भंडार मिला है। इन ब्लॉक्स के तकनीकी मूल्यांकन के लिए तीन कंपनियों को कार्य भी आवंटित कर दिया गया है।

सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स एक ज्वालामुखी कुंड है, जो 750 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। इस कॉम्प्लेक्स के सर्वेक्षण में नियोबियम, जिरकोनियम और हाफनियम जैसे रेयर अर्थ एलिमेंट्स पाए गए हैं। इन एलिमेंट्स का उपयोग एयरोस्पेस इंजन के लिए सुपरअलॉय मेटेरियल के साथ ही चिकित्सा तथा वैज्ञानिक उपकरणों में उपयोग होने वाले सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट में किया जाता है। वहीं, परमाणु रिएक्टर, इलेक्ट्रिक कार, मिसाइल तकनीक, रोबोटिक्स, माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स और रासायनिक प्रसंस्करण में इन दुर्लभ खनिज का इस्तेमाल किया जाता है। यह इलेक्ट्रॉनिक्स, बैटरी और अन्य हाई-एंड तकनीकों के प्रयोग में लिए जाते हैं। इस प्रकार, ये रेयर अर्थ एलिमेंट्स देश की सामरिक सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स एवं सिवाना ग्रेनाइट में रेयरअर्थ एलिमेंट एवं हेवी रेयरअर्थ एलिमेंट उपलब्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश में नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए। वहीं, इस संबंध में खान विभाग एवं संबंधित जिला कलक्टर केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक करें, जिससे काम में तेजी आ सके।

वहीं, राज्य सरकार रेयर अर्थ एक्सीलेंस सेंटर की स्थापना भी कर रही है। यह केंद्र दुर्लभ खनिजों के अनुसंधान, नवाचार और रणनीतिक विकास में महती भूमिका निभाएगा। इसी के साथ, राज्य सरकार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, एटॉमिक, मिनरल्स डॉयरेक्टरेट फॉर एक्सप्लोरेशन एवं रिसर्च आईआईटी हैदराबाद और आईआईटी आईएसएम धनबाद के साथ साझेदारी कर ऐसे खनिजों की खोज और अनुसंधान को नई गति प्रदान कर रही है।

राजसमंद में सड़क दुर्घटना में दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के राजसमंद जिले में रविवार को सड़क दुर्घटना में दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसा सेलगुड़ा गांव के पास आमेट-देवगढ़ राज्य राजमार्ग पर हुआ जब देवगढ़ की ओर से आ रहे ट्रेलर ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि पीड़ित और मोटरसाइकिल ट्रेलर के नीचे फंस गए और तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रेलर चालक दुर्घटना के बाद फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि ट्रेलर जब्त कर लिया गया है।

थाना प्रभारी ओमसिंह चुंडावत ने बताया कि मृतकों की पहचान आमेट के निवासियों मुकेश जोशी (40), उनके भतीजे कुलदीप (7) और एक अन्य रिश्तेदार लक्षदीप (3) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि लोग ढेलाना में स्थित भेरूजी मंदिर जे रहे थे। दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उन्हें इलाज के लिए उदयपुर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है।

पुलिसकर्मियों के तनाव को कम करने के लिए संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने कर्मियों में तनाव को कम करने के उद्देश्य से रविवार को राज्यव्यापी विशेष फिटनेस कार्यक्रम शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के तहत संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम में योग, जुम्बा और साइक्लिंग जैसी गतिविधियां की गईं। यह कार्यक्रम राज्य के सभी जिला पुलिस इकाइयों, बटालियनों और प्रशिक्षण केंद्रों में आयोजित किया गया। इसे भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के निर्देशों के अनुरूप फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, पुलिस महानिरीक्षक (सशस्त्र बटालियन) और मुख्य खेल अधिकारी रूपिंदर सिंह ने राज्यभर की सभी इकाइयों को अभियान की तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। इस पहल के तहत रविवार सुबह योग सत्र से शुरुआत हुई, जिसके बाद जुम्बा, रस्सी कूद और साइक्लिंग जैसी गतिविधियां की गईं। इस पहल का उद्देश्य पुलिस कर्मियों को शारीरिक रूप से फिट रखना और उन्हें व्यस्त कार्यक्रमों के बीच तनाव से राहत दिलाना है। अधिकारियों ने बताया कि गतिविधियां सुबह छह बजे से साढ़े सात बजे तक की गईं।

अलवर में भीषण हादसा: प्लास्टिक फैक्ट्री में आग लगने से करोड़ों का नुकसान

अलवर। राजस्थान में खैरथल तिजारा जिले के भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र फेज-1 स्थित गिरधर रोलरेप प्राइवेट लिमिटेड में शनिवार को रात में भीषण आग लग गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार आग रात करीब साढ़े बजे लगी और कुछ ही समय में पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भयावह थी कि इसकी लपटें शहर में दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं। कंपनी में प्लास्टिक दाना निर्माण का काम होता है। आग की सूचना मिलते ही भिवाड़ी नगर परिषद और रीको फायर विभाग की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

भीषण गर्मी का दौरा जारी, जैसलमेर में तापमान 45.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी का दौर जारी है और पश्चिमी हिस्सों में तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है जबकि जैसलमेर में पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान सबसे अधिक 45.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जयपुर स्थित मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम केंद्र ने लू की चेतावनी दी और अगले तीन से चार दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहने का अनुमान जताया। मौसम विभाग ने बताया कि 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी हवाएं चलने का अनुमान है, साथ ही तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है।

विभाग ने बताया कि 26 और 27 मई को पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 4647 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है और कुछ स्थानों पर भीषण लू की स्थिति बन सकती है। मौसम केंद्र के मुताबिक, हालांकि 2829 मई से एक नया पश्चिमी विक्षोभ राहत ला सकता है और इस दौरान तेज आंधी व 5060 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ हल्की बारिश का अनुमान है। विभाग ने इससे अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की उम्मीद जताई। अधिकारियों ने यह भी बताया कि आंधी और बारिश की गतिविधियां जून के पहले सप्ताह तक जारी रह सकती हैं, जिससे बीच-बीच में गर्मी से राहत मिलेगी।

भू-जल संकट गहराया, पानी में फ्लोराइड की अधिक मात्रा से स्वास्थ्य के लिए बढ़ा खतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान गहराते भू-जल और जन स्वास्थ्य संकट का सामना कर रहा है। फ्लोराइड प्रदूषण, गिरते जलस्तर और बढ़ते रोग ने राज्य के बड़े हिस्सों को प्रभावित किया है। यह जानकारी भाजपा नेता विजय सिंह बैंसला द्वारा तैयार की गई एक भेद्यता विश्लेषण रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राजस्थान का भू-जल संकट चक्रात्मक नहीं, बल्कि संरचनात्मक हो गया है, क्योंकि समीक्षा अवधि के दौरान हर साल निकासी प्राकृतिक पुनर्भरण से अधिक रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2022 में भू-जल निकासी वार्षिक पुनर्भरण का 151 प्रतिशत तक पहुंच गई, यानी हर एक लीटर प्राकृतिक पुनर्भरण के मुकाबले 1.51 लीटर पानी निकाला गया। उस वर्ष राज्य का भू-जल अधिविकर्ष (ओवरड्राफ्ट) 4.43 अरब घन मीटर तक पहुंच गया।

रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में अत्यधिक दोहन वाले भूजल ब्लॉक की संख्या 2015 के 198 से बढ़कर 2022 में 219 हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान सुरक्षित श्रेणी वाले ब्लॉक 52 से घटकर 38 रह गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि मॉनसून से पहले भू-जल गहराई 2015 में 24.5 मीटर थी, जो 2024 में बढ़कर 28.8 मीटर हो गई।

रिपोर्ट के अनुसार, अब लगभग हर पांच में से चार भू-जल ब्लॉक 'गंभीर' या 'अत्यधिक दोहन वाली' श्रेणी में आते हैं। विश्लेषण ने खराब जल गुणवत्ता के स्वास्थ्य परिणामों पर भी ध्यान दिया।

पश्चिमी राजस्थान का फ्लोराइड क्षेत्र नागौर, बाड़मेर, जालोर, जोधपुर, सीकर और झुंझुनूं सबसे अधिक प्रभावित पाया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, सत्रह जिलों में फ्लोराइड स्तर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की सीमा (1.5 मिलीग्राम/प्रतिलीटर) से अधिक पाया गया। नागौर में सबसे अधिक 5.8 मिलीग्राम/प्रतिलीटर दर्ज हुआ, जो सीमा से लगभग चार गुना है। आईसीएमआर से जुड़ी सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, नागौर में 68 प्रतिशत लोग डेंटल फ्लोरोसिस और 24 प्रतिशत लोग स्केलेटल फ्लोरोसिस से प्रभावित हैं। लंबे समय तक फ्लोराइड युक्त पानी पीने से अस्थि क्षति, गुर्दे की बीमारियां और हृदय संबंधी तनाव हो सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लोराइड प्रभावित जिलों में शिशु मृत्यु दर भी अधिक पाई गई। इन जिलों में औसतन 45.9 प्रति 1000 जीवित जन्म रही, जबकि अपेक्षाकृत साफ पानी वाले जिलों में यह दर 37.5 रही। बाड़मेर में राज्य की सबसे अधिक शिशु मृत्यु दर 56 प्रति 1000 जीवित जन्म दर्ज हुई। रिपोर्ट के अनुसार, नागौर, बाड़मेर, जालौर और जैसलमेर को सबसे अधिक संवेदनशील जिलों में रखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 4.6 करोड़ से अधिक लोग उच्च या अत्यधिक संवेदनशीलता वाले जिलों में रहते हैं। दक्षिणी आदिवासी जिले बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ में भू-जल गुणवत्ता अपेक्षाकृत सुरक्षित पाई गई, लेकिन गरीबी, स्कूल छोड़ने और बाल विवाह की दरें अधिक हैं। बैंसला ने हाल ही में मुख्यमंत्री कार्यालय को राजस्थान भू-जल पुनर्भरण और स्थिरता नीति 2026 शीर्षक से एक नीति पत्र भी सौंपा। इसमें प्रस्ताव है कि विधायक और सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्रों में वार्षिक भू-जल पुनर्भरण लक्ष्य तय करें और कम से कम 30 प्रतिशत स्थानीय क्षेत्र विकास निधि पहले दो वर्षों में पुनर्भरण कार्यों पर खर्च करें।

नीति पत्र में तिमाही सार्वजनिक प्रदर्शन रिपोर्ट, तृतीय-पक्ष अंकेक्षण और लक्ष्य हासिल करने वाले निर्वाचन क्षेत्रों को प्रोत्साहन देने का सुझाव है। बैंसला ने कहा कि जल संकट का सीधा असर आर्थिक उत्पादन, जनस्वास्थ्य और दीर्घकालिक सामाजिक परिस्थितियों पर पड़ता है। उन्होंने कहा, मेरे विचार में हम अत्यधिक आपात स्थिति में हैं। सरकार का अधिकांश ध्यान इसी दिशा में होना चाहिए, क्योंकि पानी का सीधा संबंध स्वास्थ्य, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और सबसे महत्वपूर्ण अगली पीढ़ी से है।

विश्लेषण ने तीन-स्तरीय रणनीति सुझाई है। पहले चरण में अगले 12 महीनों के लिए आपात उपाय जैसे फ्लोराइड निष्कासन संयंत्र, फ्लोरोसिस जांच शिविर और अत्यधिक दोहन वाले ब्लॉक में नए भूजल निकासी परमिट पर रोक। मध्यम अवधि में जिला स्तर पर भेद्यता टास्क फोर्स, एक्वीफर पुनर्भरण परियोजनाएं और ब्लॉक स्तर पर निकासी मीटरिंग और दीर्घकालिक योजना में सैटेलाइट आधारित जलभृत (एक्वीफर) प्रबंधन, अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण, फ्लोरोसिस पुनर्वास केंद्र और बड़े पैमाने पर ड्रिप व स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली अपनाने की सिफारिश की गई है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. नरोत्तम शर्मा ने बताया कि राज्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राष्ट्रीय फ्लोरोसिस नियंत्रण कार्यक्रम संचालित है। उन्होंने कहा, जिला अस्पतालों में मुफ्त फ्लोराइड परीक्षण उपलब्ध है और आशा व एएनएम कार्यकर्ता प्रभावित गांवों व स्कूलों में मरीजों की पहचान करते हैं। सरकार गंभीर स्केलटल फ्लोरोसिस मरीजों के लिए सुधारात्मक सर्जरी और पुनर्वास उपलब्ध कराती है तथा प्रभावित क्षेत्रों में कैल्शियम, विटामिन सी और आयरन युक्त आहार को बढ़ावा देती है। डॉ. प्रवीण मंगलूनिया ने कहा कि फ्लोराइड युक्त पानी से जोड़ों में दर्द, दांत खराब होना और हाथ-पांव में विकृति होती है। उन्होंने कहा, प्रभावित क्षेत्रों में फ्लोराइड-मुक्त पेयजल की आवश्यकता है।

भू-विज्ञानी प्रो. एम.के. पंडित ने कहा कि भू-जल स्तर लगातार गिर रहा है और इसका प्राथमिकता से समाधान करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शहरीकरण की तेज रफ्तार इसका कारण है। बड़ी इमारतें बन रही हैं, लेकिन जल संरक्षण के ठोस उपाय नहीं किए जा रहे। जल संरक्षण विशेषज्ञ डॉ. एस.के. जैन ने तालाब, झील, नदियां, चेक डैम और अन्य पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करने, गाद निकालने और भंडारण क्षमता बढ़ाने का सुझाव दिया ताकि भूजल पुनर्भरण सुधारा जा सके।

अलर्ट मोड पर जयपुर डिस्कॉम लोड बैलेंसिंग के लिए अभियंता दे रहे रात्रि पहरा

जयपुर। गर्मी में उपभोक्ताओं को बिजली की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए जयपुर विद्युत वितरण निगम के अभियंता देर रात तक जाग कर 'पहरा' दे रहे हैं। निगम के सिटी सर्किल उत्तर एवं दक्षिण में कनिष्ठ अभियंता, सहायक अभियंता तथा अधिशासी अभियंताओं की ड्यूटी लगाई गई है और वे दिन भर ऑफिस में काम करने के बाद रात 8 बजे से रात्रि 11 बजे तक पीक ऑवर्स के दौरान फील्ड में उतर जाते हैं।

इस दौरान वे अपने सब डिविजन एवं डिविजन में हैवी लोड वाले जीएसएस, फीडर, ट्रांसफॉर्मरों या पिलर बॉक्स को चेक करते हैं। जिन एरिया में लोड अधिक है, उसे कम विद्युत भार वाले दूसरे ट्रांसफार्मर, 11 केवी या 33 केवी फीडर अथवा जीएसएस पर शिफ्ट कर उसी समय लोड बैलेंसिंग करते हैं। बढ़े हुए भार के अनुरूप ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि की प्लानिंग भी इसी नाइट विजिलेंस का पार्ट है।

इस दौरान एफआरटी टीम की अलर्टनैस, खंड कार्यालयों में स्थापित कंट्रोल रूम के माध्यम से शिकायतों के निराकरण आदि को भी मापा जाता है। निरीक्षण के फोटो सर्किल ऑफिसर्स के ग्रुप में शेयर किए जाते हैं। इससे ट्रिपिंग तथा नो करंट संबंधी उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निराकरण में मदद मिल रही है।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठक जून के शुरू में होने की संभावना : ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया)' के सदस्यों के जून के पहले सप्ताह में एक संयुक्त रणनीति पर चर्चा करने के लिए मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि विपक्षी खेमा एक लंबी राजनीतिक लड़ाई के लिए तैयार है। ममता ने 'फेसबुक लाइव' संबोधन में कहा, हम लड़ने के लिए तैयार हैं। हम अंत तक हार नहीं मानेंगे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर नए सिरे से हमला करने के लिए इस मंच का इस्तेमाल करते हुए, तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने बड़े पैमाने पर चुनावी धांधली का आरोप लगाया और दावा किया कि लगभग 150 विधानसभा क्षेत्रों में उनकी पार्टी के पक्ष में आए नतीजों को पलट दिया गया। ममता ने कहा, जीती हुई सीटों को हारी हुई सीटों में और हारी हुई सीटों को जीती हुई सीटों में बदल दिया गया। उन्होंने दावा किया कि ऐसा नहीं होता तो तृणमूल कांग्रेस को 220 से 230 सीट मिल जातीं। इन आरोपों को खारिज करते हुए, भाजपा की वरिष्ठ नेता केया घोष ने ममता पर चुनावी नतीजों को स्वीकार करने से इनकार करने और साजिश के सिद्धांतों के माध्यम से हार को सही ठहराने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

ईडी ने कारोबारी के घर पर तलाशी के दौरान चार करोड़ रुपए का सोना जब्त किया

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कारोबारी जय एस. कामदार के आवास पर तलाशी के दौरान लगभग चार करोड़ रुपए का सोना जब्त किया और एक संदिग्ध डायरी बरामद की। बताया जाता है कि कामदार पुलिस अधिकारी शांतनु सिन्हा बिस्वास के करीबी हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'सोना पप्पू' मामले के संबंध में ईडी की जारी जांच के तहत शुक्रवार को मध्य कोलकाता के मार्क्यूइस स्ट्रीट स्थित कामदार के आवास पर तलाशी ली गई। उन्होंने बताया कि जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बरामद किया गया सोना क्या कथित तौर पर बिस्वास से जुड़े कोष का उपयोग करके खरीदा गया था।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस अधिकारी की गिरफ्तारी के बाद ईडी की टीम ने उसके रिश्तेदारों, सहयोगियों, पुलिसकर्मियों और उससे जुड़े माने जाने वाले व्यापारियों से संबंधित कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि बिस्वास पर भूमि धोखाधड़ी तथा पुलिस तबादलों और तैनाती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं सहित कई आरोप लगे हैं।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के अगले चुनाव में सपा को शत-प्रतिशत सीट जीतनी हैं : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं के सामने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में शत-प्रतिशत सीट जीतने का लक्ष्य रखते हुए पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) को जीत की 'गारंटी' बताया। यादव ने सपा प्रदेश मुख्यालय पर विभिन्न जिलों से आए हुए नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि साल 2022 में सपा सरकार बनाने से चूक गई थी और 2027 के विधानसभा चुनाव में कोई कसर नहीं छोड़नी है। उन्होंने कहा, जनता समाजवादी पार्टी के साथ है। समाजवादी पार्टी का लक्ष्य शत प्रतिशत सीटें जीतने का है। इस बार उत्तर प्रदेश से भाजपा का पूरा सफाया करना है। पीडीए जीत की गारंटी है। यादव ने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को मिली सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि वह चुनाव मिसाल है। उन्होंने कहा कि साल 2027 में सपा की सरकार बनने पर पीड़ित, दुखी, अपमानित लोगों के साथ न्याय होगा। सपा प्रमुख ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हार से भाजपा बौखलाई हुई है।

असम में दो करोड़ रु से अधिक मूल्य की कोडीन युक्त कफ सिरप जब्त, दो गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि दो अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफ सिरप की दो करोड़ रुपए से अधिक बोतल जब्त की गईं और इस सिलसिले में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। शनिवार को कछार और कोकराझार जिलों में इस सिलसिले में अभियान चलाये गए। भारत में कोडीन को लेकर सख्त नियम हैं। कोडीन आधारित दवाओं की बिना चिकित्सा परामर्श के बिक्री प्रतिबंधित है और वैध चिकित्सा लाइसेंस के बिना इनका निर्माण या बिक्री करना स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत अवैध है। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि कछार में एक ट्रक से प्रतिबंधित सिरप की खेप जब्त की गई है। उन्होंने शनिवार को कहा, ''विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर, कछार पुलिस ने एक ट्रक को रोका और उसमें से 2.1 करोड़ रुपए मूल्य का प्रतिबंधित कोडीन फॉस्फेट सिरप बरामद किया।''

भाजपा के देबांग्शु पांडा बंगाल की फाल्टा विधानसभा सीट पर 1.09 लाख वोट के अंतर से विजयी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार देबांग्शु पांडा ने रविवार को फाल्टा विधानसभा सीट पर 1.09 लाख मतों के अंतर से जीत दर्ज की। तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान चौथे स्थान पर रहे।

पुनर्मतदान से कुछ ही दिन पहले खान ने चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की थी, जिसे तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने उनका निजी फैसला बताया था। हालांकि, उस समय नामांकन वापस लेना संभव नहीं था, इसलिए उनका नाम ईवीएम में बना रहा। पांडा को 1,49,666 वोट मिले, जबकि माकपा के शंभू नाथ कुर्मी 40,645 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। कांग्रेस उम्मीदवार अब्दुर रज्ज़ाक मोल्ला 10,084 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। कुल 2.36 लाख मतदाताओं वाले इस निर्वाचन क्षेत्र में खान को महज 7,783 वोट मिले। टीएमसी का 2011 से लगातार इस सीट पर कब्जा था और 2021 में इसने लगभग 57 प्रतिशत मतों के साथ जीत हासिल की थी।

इस जीत के साथ, निर्वाचन आयोग के रिकॉर्ड में राज्य विधानसभा में भाजपा की सीटों की संख्या बढ़कर 208 हो गई है। हालांकि, प्रभावी विधानसभा संख्या में कोई बदलाव नहीं हुआ क्योंकि अधिकारी ने नंदीग्राम सीट खाली करके भवानीपुर सीट बरकरार रखी है।

दिन की शुरुआत में रुझानों के आधार पर भाजपा की भारी जीत की संभावना जताई जा रही थी, ऐसे में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि जब लोगों को स्वतंत्र रूप से मतदान करने की अनुमति दी गई तो ''वास्तविकता सामने आ गई''। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा उम्मीदवार देबांग्शु पांडा को 'भारी जनादेश' देने के लिए वह 'फाल्टा की जनता को नमन' करते हैं। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने एक लाख वोट के अंतर से जीत दिलाने की अपील की थी, लेकिन लोगों ने इस लक्ष्य से अधिक वोट से विजय दिला दी।

बिहार सरकार जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए तत्परता से काम कर रही : विजय चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार जलवायु परिवर्तन के ''ज्वलंत मुद्दे'' पर गंभीरता और संवेदनशीलता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नवगठित बिहार जलवायु हरित कोष (बीसीजीएफ) हरित आवरण बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पटना में पत्रकारों से बातचीत में चौधरी ने कहा कि यह कोष जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में स्थापित यह कोष आने वाले वर्षों में बिहार के हरित आवरण को बढ़ाने में सहायक होगा। यह दर्शाता है कि राज्य सरकार जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कितनी गंभीर है।'' उन्होंने कहा कि इस कोष में विभिन्न विभागों की निविदाओं और अनुबंधों पर 0.25 प्रतिशत उपकर, खनन रॉयल्टी पर 0.5 प्रतिशत उपकर और नए वाहनों के पंजीकरण पर एक प्रतिशत उपकर से राजस्व प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, स्वैच्छिक सार्वजनिक योगदान और उद्योगों की कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) से भी इस कोष को सहायता मिलेगी। चौधरी ने कहा, ''ऐसे समय में जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जूझ रही है और वैश्विक मंच समाधानों पर चर्चा कर रहे हैं, इससे निपटने के लिए बिहार सरकार का संवेदनशील और सक्रिय दृष्टिकोण अनुकरणीय है।''

बंगाल सरकार ने अवैध रूप से रहे विदेशियों के लिए निरुद्ध केंद्र बनाने का निर्देश दिया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को अवैध रूप से देश में रहने के आरोप में ''गिरफ्तार किए गए विदेशियों'' के साथ-साथ ''निर्वासन, या रिहाई के बाद स्वदेश वापसी की प्रतीक्षा कर रहे विदेशी कैदियों'' को रखने के लिए निरुद्ध केंद्र बनाने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

गृह एवं पर्वतीय मामलों के विभाग द्वारा शनिवार को जारी एक अधिसूचना में, देश में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के निर्वासन की प्रक्रिया के संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों का उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया, ''इस संबंध में, यह अनुरोध किया जाता है कि जिले में गिरफ्तार किए गए विदेशियों के साथ-साथ निर्वासन/स्वदेश वापसी की प्रतीक्षा कर रहे रिहा विदेशी कैदियों के लिए निरुद्ध केंद्र स्थापित करने के लिए पहल/उचित कार्रवाई की जाए।''

राज्य के सभी जिलाधिकारियों को भेजे गए इस पत्र में गृह मंत्रालय के दो मई 2025 के एक पत्र का उल्लेख किया गया है, जिसमें ''देश (भारत) में अवैध रूप से रहने के आरोप में पकड़े गए बांग्लादेशियों/रोहिंग्याओं के निर्वासन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में बताया गया है।'' इस आदेश की प्रतियां पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक, सभी पुलिस आयुक्तालयों, पुलिस अधीक्षकों और कोलकाता स्थित विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) को भी भेजी गईं।

दहेज उत्पीड़न मामला: त्विषा शर्मा का अंतिम संस्कार किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में कथित तौर पर दहेज उत्पीड़न के कारण जान गंवाने वाली नोएडा की निवासी मॉडल एवं अभिनेत्री त्विषा शर्मा का रविवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनके भाई हर्षित शर्मा ने चिता को मुखाग्नि दी। इसके साथ ही परिवार की 12 दिन लंबी पीड़ा भरी प्रतीक्षा समाप्त हुई, हालांकि न्याय की उनकी लड़ाई अब भी जारी है।

भदभदा विश्राम घाट पर अंतिम संस्कार से पहले रविवार को एम्स, दिल्ली की चिकित्सकीय टीम ने एम्स भोपाल में त्विषा का दूसरा पोस्टमार्टम किया। पूर्व मिस पुणे त्विषा (33) का शव 12 मई को भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में ससुराल वालों के मकान में फंदे से लटका हुआ मिला था। चिता को मुखाग्नि दिए जाते ही परिवार के सदस्य फूट-फूटकर रोने लगे।

अंतिम संस्कार में देरी हुई क्योंकि एम्स, दिल्ली की विशेषज्ञ टीम ने करीब चार घंटे तक दूसरा पोस्टमार्टम किया। यह प्रक्रिया मुख्य रूप से साक्ष्यों को सुरक्षित रखने और उन चोटों की जांच पर केंद्रित रही, जिन्हें परिवार के अनुसार शुरुआती जांच में नजरअंदाज किया गया था। त्विषा के पिता नवनीधि शर्मा ने बेटी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, ''वह मां की तरह हमारी देखभाल करती थी। उसके बिना कैसे जी पाएंगे, पता नहीं। यह मामला आने वाले समय में एक उदाहरण बनेगा। उच्चतम न्यायालय द्वारा स्वत: संज्ञान लिए जाने से न्याय की उम्मीद जगी है।'' अंतिम संस्कार से कुछ घंटे पहले जारी बयान में नोएडा के निवासी शर्मा परिवार ने कहा कि लंबे इंतजार के कारण उन्हें हिंदू परंपराओं का उल्लंघन करना पड़ा, जिनके अनुसार मृत्यु के बाद की रस्में सामान्यत: 13 दिन में पूरी की जाती हैं। परिवार ने कहा कि किसी भी माता-पिता के लिए अपनी युवा बेटी के पार्थिव शरीर को अंतिम विदाई देना सबसे बड़ा दुख होता है और उन्हें अंतिम संस्कार के लिए कई दिन तक इंतजार करना पड़ा। अंतिम संस्कार के दौरान त्विषा की मां रेखा शर्मा बेसुध होने की स्थिति में पहुंच गईं। वहां मौजूद महिलाओं ने उन्हें पास के लॉन में ले जाकर चेहरे पर पानी छिड़का।

डीआरआई ने गोरखपुर में जब्त कीं विदेश में निर्मित तीन लाख सिगरेट

लखनऊ/भाषा। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में एक ट्रक की तलाशी के दौरान म्यांमा से भारत में तस्करी करके लाई गई विदेश में निर्मित तीन लाख सिगरेट स्टिक बरामद कीं।

डीआरआई ने रविवार को एक बयान में बताया कि तस्करी करके सिगरेट स्टिक लाए जाने के बारे में सूचना मिलने पर निदेशालय के अधिकारियों ने शनिवार को गोरखपुर में असम से उत्तर प्रदेश की ओर जा रहे एक ट्रक को रोककर उसकी गहन तलाशी ली, जिसमें 30 बड़े डिब्बों में विदेश में निर्मित एक प्रमुख ब्रांड की कुल तीन लाख सिगरेट स्टिक बरामद की गईं, जिनकी कीमत 45 लाख रुपए है। ट्रक में दिखाने के लिए बांस के 9.42 मैट्रिक टन वजन के टुकड़े लदे थे लेकिन बहुत चालक के केबिन के पीछे एक जगह बनाकर उसमें सिगरेट से भरे डिब्बे छुपाए गए थे। बरामद सिगरेट को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 110 तथा सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम-2003 के तहत जब्त किया गया है। पिछले आठ महीने में डीआरआई ने उत्तर प्रदेश में अलग-अलग मामलों में दो करोड़ 32 लाख रुपए मूल्य की विदेश में निर्मित कुल 15,32,000 सिगरेट स्टिक जब्त की हैं।

कांग्रेस-झामुमो 'वोट बैंक' की राजनीति में लिप्त, आदिवासियों को बांटने की कोशिश कर रहे : मरांडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने रविवार को कांग्रेस और झामुमो पर ''वोट बैंक'' की राजनीति करने और राज्य में आदिवासी समुदायों को बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि छोटा नागपुर पठार क्षेत्र के आदिवासी समुदायों द्वारा प्रमुख रूप से माने जाने वाले सरना और सनातन धर्म में कोई अंतर नहीं, बल्कि समानता है।

मरांडी ने यहां प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से कहा, ''कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) अपने वोट बैंक के लिए आदिवासी समुदायों को बांटने की राजनीति में लिप्त हैं।'' मरांडी ने आरोप लगाया, ''देश भर में जनता द्वारा कांग्रेस को नकारे जाने के कारण, पार्टी समाज को विभाजित करने की रणनीति अपना रही है। कांग्रेस नेताओं का यह आरोप कि भाजपा और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) आदिवासियों को हिंदू बनाने की कोशिश कर रहे हैं, इन्हीं रणनीतियों का हिस्सा है। समाज को विभाजित करना और सत्ता हथियाना कांग्रेस के स्वभाव में ही निहित है।''

प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने दिल्ली में आयोजित आदिवासी कार्यक्रम की आलोचना करते हुए इसे भाजपा का ''राजनीतिक स्टंट'' करार दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि 'जनजाति सांस्कृतिक समागम' कार्यक्रम आरएसएस से जुड़े जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा आयोजित किया गया और भाजपा इसका राजनीतिक लाभ उठाना चाहती थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि देशभर में आदिवासी समुदायों के अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है।

'कंप्रोमाइज्ड' प्रधानमंत्री 'करीबी मित्र' को खुश करने में लगे हैं : रूबियो के बयान पर बोली कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो के उस बयान को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत ने अगले पांच वर्षों में 500 अरब डॉलर का अमेरिकी सामान खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है। विपक्षी पार्टी ने यह आरोप भी लगाया कि ''कंप्रोमाइज्ड पीएम'' अपने ''करीबी मित्र'' को खुश करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह भी सवाल उठाया कि मोदी सरकार ने ''जनविरोधी'' और ''खतरनाक'' उस भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को निरस्त करने का साहस क्यों नहीं दिखाया। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि मोदी सरकार ने अमेरिका से रिकॉर्ड आयात करने पर सहमति क्यों जताई, जबकि प्रधानमंत्री ने पहले ही नागरिकों से विदेशी मुद्रा बचाने के लिए घरेलू ईंधन की खपत और विदेश यात्राएं कम करने का आग्रह किया था। उन्होंने पूछा, ''क्या अमेरिका से आयात में यह भारी वृद्धि रुपए की गिरावट को और तेज नहीं करेगी?'' रमेश ने 'एक्स' पर कहा, ''10 मई 2025 को भारतीय समयानुसार शाम 5:37 बजे अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने सबसे पहले युद्धविराम की घोषणा की थी, जिससे 'ऑपरेशन सिंदूर' अप्रत्याशित रूप से रुक गया। उन्होंने दावा किया था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप के कारण ही यह युद्धविराम संभव हो पाया।''

सरकार बुनियादी ढांचे पर ध्यान दे रही, खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रयास करें : खडसे

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे ने रविवार को खिलाड़ियों से कहा कि वे अपने-अपने खेलों में पूरी लगन और मेहनत के साथ बेहतरीन प्रदर्शन करने का प्रयास करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार सभी स्तरों पर खेलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर ध्यान दे रही है, ताकि युवा प्रतिभाओं को विश्व-स्तरीय ट्रेनिंग सुविधाओं के साथ अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

राज्य की युवा मामले और खेल मंत्री खडसे असम में 'खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस' और गुवाहाटी में 'हाई परफॉर्मेंस सेंटर' के दौरे के दौरान बोल रही थीं। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों, कोचों, खेल विज्ञान विशेषज्ञों और अधिकारियों से बातचीत की। खडसे ने खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए उनके समर्पण और लगन की सराहना की। उन्होंने उन्हें अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ बेहतरीन प्रदर्शन की दिशा में लगातार प्रयास करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

जोफ्रा आर्चर के हरफनमौला खेल से मुंबई इंडियंस को हराकर राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। जोफ्रा आर्चर के हरफनमौला खेल की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में रविवार को यहां मुंबई इंडियन्स को 30 रन से हराकर प्लेऑफ का टिकट पक्का किया।

आर्चर ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लड़खड़ाने के बाद 32 रन की अहम पारी खेली और गेंदबाजी में चार ओवर में सिर्फ 17 रन देकर तीन विकेट चटकाए। बृजेश शर्मा (चार ओवर में 26 रन), नांद्रे बर्गर (चार ओवर में 43 रन) और यश राज पुंजा (चार ओवर में 44 रन) ने दो-दो विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया। रॉयल्स ने लगातार अंतराल पर विकेट गिरने के बावजूद अपने करो या मरो मैच में आठ विकेट पर 205 रन बनाने के बाद मुंबई की पारी को नौ विकेट पर 175 रन पर रोक दिया। इस जीत के साथ ही रॉयल्स के 14 मैचों में 16 अंक हो गए और उसने अंक तालिका में चौथा स्थान पक्का कर लिया। इसके साथ ही पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स की उम्मीदें खत्म हो गईं। प्लेऑफ की दौड़ से पहले से ही बाहर मुंबई इंडियन्स का अभियान नौवें स्थान पर खत्म हुआ। टीम के लिए सूर्यकुमार यादव ने 60, जबकि कप्तान हार्दिक पंड्या ने 34 और विल जैक्स ने 33 रन का योगदान दिया।

पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर राजस्थान की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाती रही, लेकिन ध्रुव जुरेल ने 26 गेंद में 38, आर्चर ने 15 गेंद में 32, दासुन शनाका ने 15 गेंद में 29 और यशस्वी जायसवाल ने 17 गेंद में 27 रन का अहम योगदान दिया। रविंद्र जडेजा (नाबाद 19) और नांद्रे बर्गर (नाबाद 10) ने आखिरी ओवरों में 13 गेंद में 30 रन की साझेदारी कर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। मुंबई इंडियन्स के लिए दीपक चाहर ने 43 और शार्दुल ठाकुर ने 41 रन देकर दो-दो विकेट लिए।

गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के लंबी दूरी के शीर्ष धावक गुलवीर सिंह ने लॉस एंजिलिस में आयोजित एलए ट्रैक फेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में नया आउटडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया।

विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर स्तर की इस प्रतियोगिता में गुलवीर ने 13 मिनट 03.93 सेकेंड का समय लिया। इसके साथ ही उन्होंने अपने ही आउटडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड 13:11.82 में सुधार किया। इस 27 साल के धावक ने पिछले वर्ष बोस्टन में आयोजित टेरियर डीएमआर चैलेंज इंडोर प्रतियोगिता में 12 मिनट 59.77 सेकेंड का समय निकाला था, जो 5000 मीटर में उनका समग्र राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना हुआ है। लॉस एंजिलिस में दर्ज किया गया समय उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। एलए ट्रैक फेस्ट में हैबटोम सैमुअज ने 12 मिनट 57.23 सेकेंड का विश्व का सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए पहला स्थान हासिल किया, जबकि गुलवीर दूसरे स्थान पर रहे। गुलवीर मौजूदा एशियाई चैंपियन भी हैं और उनके नाम 10,000 मीटर तथा हाफ मैराथन के राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी दर्ज हैं।

सुविचार

झुकने से अगर रिश्ता गहरा हो तो झुक जाओ, पर हर बार आपको ही झुकना पड़े, तो रुक जाओ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फिर एक नया शिगूफा

देश-दुनिया में कुछ ऐसे तत्त्व सक्रिय हैं, जिनकी खास मंशा है कि किसी तरह एक मौका मिले और वे भारत को अस्थिर करें। जब उनकी तमाम साजिशें नाकाम हो गईं तो अब नया शिगूफा छेड़ दिया- 'कॉकरोच जनता पार्टी'। इसके पीछे छिपे तत्त्वों को उम्मीद है कि शायद इस बार हमारी नैया पार हो जाए, लेकिन उनके अरमानों पर पानी फिर गया। हालांकि सोशल मीडिया पर ऐसी हरकतें लोगों का ध्यान आकर्षित कर लेती हैं। वहीं, जनता काफी सतर्क है कि यह हमारी भावनाओं को भड़का कर सत्ता हथियाने का कोई प्रयोग न हो। लोग पहले ही ऐसे प्रयोगकर्ताओं द्वारा ठगे जा चुके हैं, इसलिए कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। कथित पार्टी के नाम से ही स्पष्ट है कि यह कोई गंभीर राजनीतिक प्रयास नहीं, बल्कि एक खास आयु वर्ग को लुभाकर हुड़दंग मचाने का कार्यक्रम है। भारत में पहले भी टूल किट का पर्दाफाश हो चुका है। लोगों के दिलो-दिमाग से खेलने की चालें काफी पुरानी हैं। कुछ खुफिया एजेंसियों को इस काम में महारत हासिल है। उनकी नजरें उस गिद्ध जैसी होती हैं, जो हमेशा अपने शिकार की तलाश में रहता है। किसके घर में उसके ही सदस्यों से कैसे आग लगवानी है, उसके बाद किस तरह अपनी रोटी सेकनी है ... यही उनका पेशा है। भीड़ को उकसाना आसान होता है। सोशल मीडिया के दौर में ऐसे तत्त्वों को नया हथियार मिल गया है। अब वे अपने घर में बैठे-बैठे ही विदेशों में अशांति फैला सकते हैं। भीड़ की एक खास आदत होती है- वह सोचने-समझने की कोशिश नहीं करती। अगर किसी दिशा में पचास लोग भागे जा रहे हैं तो अगले चौराहे तक यह संख्या अपनेआप बढ़ जाएगी। अगर किसी मोहल्ले में पांच लोग मशीन से खुदाई कर रहे हैं तो आते-जाते लोग वहां इकट्ठे हो जाएंगे और हर कोई अपनी राय देगा।

हाल में एक मशहूर ब्रांड की घड़ी बिक्री के लिए पेश की गई तो उसे खरीदने के लिए भारी भीड़ उमड़ी। उसमें कई लोगों को घड़ी के बारे में पता ही नहीं था। जब उनसे पूछा गया तो जवाब मिला, 'सब लोग इधर आ रहे थे तो हम भी आ गए!' यही मानसिकता कथित कॉकरोच जनता पार्टी के अचानक उभरने की वजह है। लोगों के जीवन में पहले से ही कई समस्याएं हैं। प्रशासन से काफी शिकायतें हैं। उनकी उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं, जबकि काम उस स्तर पर हो नहीं रहे हैं। सोशल मीडिया पर जैसी सामग्री आ रही है, उसे देखकर निराशा पैदा होती है। सरकारी दफ्तरों में घूसखोरी के रोग का कोई पुख्ता इलाज नहीं हो रहा है। इन सबसे मन में दबी भड़ास जोर मारती है और जब व्यवस्था के विरोध में कोई स्वर उभरता है तो लोग उसे हाथोंहाथ लेते हैं। उनके मन में उम्मीद पैदा होती है कि 'इससे कुछ बेहतरी आ सकती है ... ये कुछ सुधार कर सकते हैं ... शायद इससे हमारी तकलीफें दूर हो सकती हैं।' लोग उनकी बातों पर आंखें मूंदकर विश्वास करने लगते हैं। इस बीच, कॉकरोच जनता पार्टी के नाम पर साइबर ठगी की कोशिशें भी शुरू हो चुकी हैं। इस संबंध में पंजाब पुलिस को परामर्श जारी करना पड़ा है। लोगों के पास वॉटसऐप पर एक लिंक आता है। उनसे कहा जाता है कि इस पर क्लिक कर पार्टी के सदस्य बन सकते हैं। वे जैसे ही उस लिंक पर क्लिक करते हैं, उनके मोबाइल फोन में वायरस-युक्त फाइल इंस्टॉल हो जाती है। उसके बाद मोबाइल फोन पर साइबर ठगों का नियंत्रण हो जाता है। वे निजी तस्वीरें, दस्तावेज और अन्य सामग्री चुरा सकते हैं। साथ ही, बैंक खातों में सेंध लगाकर रकम उड़ा सकते हैं। यही नहीं, वे उस व्यक्ति के नाम पर कर्ज ले सकते हैं। भावनाओं में बहकर लिया गया ऐसा फैसला बहुत महंगा पड़ सकता है। सावधान रहें!

ट्वीटर टॉक

एथलेटिक्स फेडरेशन कप में 100 मीटर की दौड़ 10.09 सेकंड में पूरी करके गोल्ड मेडल जीतने और नया नेशनल रिकॉर्ड बनाने के लिए स्प्रिंटर गुरिंदरवीर सिंह को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं! इस शानदार परफॉर्मेंस के साथ, वह भारत के पहले एथलीट बन गए हैं।

-भजनलाल शर्मा

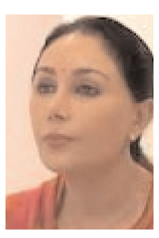

रांची में आयोजित फेडरेशन कप में 100 मीटर की दौड़ सिर्फ़ 10.09 सेकंड में पूरी करके नया नेशनल रिकॉर्ड बनाने के लिए युवा एथलीट गुरिंदरवीर सिंह जी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ। आपकी शानदार सफलता देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

-दिया कुमारी

जयपुर में, पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री राजीव गांधी के शहीदी दिवस के अवसर पर, राजीव गांधी इंस्पिरेशन फाउंडेशन द्वारा आयोजित, आज शाम जयपुर में आयोजित संगीत कार्यक्रम एक शाम आधुनिक भारत के निर्माता राजीव गांधी जी के नाम में भाग लेकर मैंने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

देहधारी देवी

जेन एडम्स के पिता एक सीनेटर और उद्योगपति थे। उन्होंने अपनी एकमात्र पुत्री के लिए अपार संपत्ति संजोकर रखी थी, लेकिन जेन ने वह समय श्रेष्ठ पुस्तकों के अध्ययन में लगाया। पिता के निधन के बाद, उन्होंने सारी संपत्ति बेचकर अमेरिका में एक 'डल हाउस' नामक मानव सेवा संस्थान बनाया। उनका प्रत्यक्ष उद्देश्य सस्ता भोजन और सस्ता निवास उपलब्ध कराना था। इस बहाने हजारों लोग वहां आते और उन्हें लोकोपयोगी जीवन जीने की प्रेरणा मिलती। उनकी इस कार्य की महत्ता देखकर लाखों लोग उनके सहयोगी बन गए। जेन एडम्स ने महिलाओं, बच्चों, विकलांगों और रोगियों की सेवा-सहायता के लिए अनेक संस्थाएं चलाई। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय महिला लीग की भी स्थापना की। नोबेल पुरस्कार उन्हें इसी कार्य के लिए मिला, और उन्होंने पुरस्कार की राशि लीग को दान कर दी। एडम्स आजीवन ब्रह्मचारिणी रहीं। उन्हें करुणा की मूर्ति और देहधारी देवी माना जाता है।

सामयिक

राजनीतिक दलों को आत्मंमथन करना होगा कि वे जनता को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं-धार्मिक टकराव की ओर या राष्ट्रीय निर्माण की ओर? यदि राजनीति केवल आस्था के विवादों में उलझी रही, तो जनजीवन के वास्तविक प्रश्न पीछे छूट जाएंगे। लेकिन यदि राजनीति संस्कृति का सम्मान करते हुए विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता को केंद्र बनाएगी, तो भारत एक संतुलित और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ेगा।

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आम मुद्दों पर केंद्रित हो

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है- सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।

सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। सत्यं वद, धर्मं चर, वसुधैव कुटुम्बकम्, सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है।

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्म, विशेषकर सनातन और हिंदू आस्था को लेकर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमूक आदि विपक्षी दलों एवं उनके कुछ नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को व्यापक जनसमुदाय ने सनातन पर आक्षेप या हिंदू भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता के रूप में देखा, जिसके राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई दिए। किंतु इस विषय को केवल हिंदू विरोध बनाम राजनीतिक विरोध के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत एक लोकतांत्रिक और बहुलतावादी राष्ट्र है, जहां किसी भी राजनीतिक दल को सरकार, नीतियों या नेतृत्व का विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यदि वह विरोध आस्था, संस्कृति और बहुसंख्यक समाज की भावनाओं से टकराता हुआ प्रतीत हो, तो उसका राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई दलों के लिए यह धारणा चुनौती बनी कि वे सत्ता-विरोध की राजनीति करते-करते सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनाओं से दूर हो गए हैं। भारत में सनातन केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, परंपरा, संस्कृति, सहिष्णुता और सभ्यता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उसके प्रति असावधान भाषा या नकारात्मक संकेत जनमानस में प्रतिकूल प्रतिक्रिया उत्पन्न करते रहे हैं। दूसरी ओर लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा यह भी अपेक्षा करती है कि राजनीतिक विमर्श व्यक्तियों, नीतियों और शासन के मुद्दों पर केंद्रित रहे, न कि धार्मिक ध्रूवीकरण पर। राजनीतिक दलों के लिए यह आवश्यक है कि वे मतभेद रखें, आलोचना करें, लेकिन भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक संवेदनशीलता और आस्था के सम्मान का संतुलन बनाए रखें, क्योंकि जनता अंततः उसी नेतृत्व को स्वीकार करती है जो उसकी भावनाओं, परंपराओं और राष्ट्रीय मानस को समझने का प्रयास करता है।

राजनीतिक दलों को आत्मंमथन करना होगा कि वे जनता को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं-धार्मिक टकराव की ओर या राष्ट्रीय निर्माण की ओर? यदि राजनीति केवल आस्था के विवादों में उलझी रही, तो जनजीवन के वास्तविक प्रश्न पीछे छूट जाएंगे। लेकिन यदि राजनीति संस्कृति का सम्मान करते हुए विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता को केंद्र बनाएगी, तो भारत एक संतुलित और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ेगा। सनातन का अर्थ शाश्वत है, और शाश्वत वही होता है जो सबको साथ लेकर चले। इसलिए किसी भी प्रकार का अंध-विरोध या अंध-समर्थन समाधान नहीं हो सकता। आवश्यकता है विवेकपूर्ण दृष्टि, संतुलित राजनीति और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की। भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता इसी में है कि वह आस्था का सम्मान करे, लेकिन राजनीति को जनहित का माध्यम बनाए। तभी लोकतंत्र भी मजबूत होगा और समाज भी समरस बनेगा।

नजरिया

मानव जीवन बनाम पशु प्रेम: समाधान कब निकलेगा?

डॉ. अनिल कुमार निगम

आज आवश्यकता इस बात की है कि राज्य सरकारें, नगर निकाय, स्वास्थ्य विभाग और पशु कल्याण संगठन मिलकर एक समन्वित नीति तैयार करें। हर जिले में पर्याप्त एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध हो, अस्पतालों में उपचार आसान बनाया जाए, और आवारा कुत्तों की निगरानी के लिए प्रभावी तंत्र विकसित किया जाए। साथ ही नागरिकों में भी जागरूकता बढ़ाई जाए कि कुत्ता काटने की स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता लेना क्यों जरूरी है।

भारत में आवारा कुत्तों का मुद्दा अब केवल पशु-प्रेम और संवेदनशीलता का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह सीधे नागरिकों के जीवन, सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन चुका है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय की खतरनाक आवारा कुत्तों को मारने की अनुमति देने संबंधी टिप्पणी और निर्देश ने इस बहस को फिर से राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया है। पहली नजर में यह आदेश सामान्य प्रतीत हो सकता है, लेकिन इसके पीछे छिपी वास्तविकता अत्यंत भयावह है। देशभर में प्रतिवर्ष लाखों लोग कुत्तों के काटने का शिकार हो रहे हैं और सैकड़ों लोग रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी के कारण अपनी जान गंवा रहे हैं। भारत में पशुओं के प्रति दया और संवेदना की परंपरा रही है। संविधान के नीति-निर्देशक तत्व भी जीव-जंतुओं के प्रति करुणा रखने की बात करते हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि यदि कोई पशु मनुष्य के जीवन और सुरक्षा के लिए खतरा बन जाए तो राज्य की जिम्मेदारी क्या होगी? क्या नागरिकों के मौलिक अधिकारों से ऊपर किसी भी प्रकार की भावनात्मक बहस को रखा जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में इसी संवैधानिक संतुलन की ओर संकेत किया है कि राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों का पहला दायित्व नागरिकों के जीवन और सुरक्षा की रक्षा करना है।

देश में आवारा कुत्तों के हमलों की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। केंद्र सरकार द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में भारत में कुत्तों के काटने के 30.43 लाख मामले दर्ज किए गए और 286 लोगों की मौत हुई। वर्ष 2024 में भी लगभग 21.95 लाख कुत्ता काटने के मामले सामने आए, जिनमें 5 लाख से अधिक पीड़ित 15 वर्ष से कम आयु के बच्चे थे। ये केवल सरकारी आंकड़े हैं, जबकि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में अनेक मामले दर्ज ही नहीं हो पाते। एक शोध अध्ययन के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष लगभग 91 लाख पशु काटने के मामले सामने आते हैं और अनुमानित 5726 लोगों की मौत रेबीज से होती है। यह आंकड़ा इस ओर संकेत करता है कि समस्या केवल आवारा कुत्तों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की कमजोरियों से भी जुड़ी हुई है।

दिल्ली, केरल, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्यों के आंकड़े स्थिति की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। दिल्ली में पांच वर्षों के दौरान रेबीज से 37 लोगों की मौतें हुईं। केरल सरकार ने उच्च न्यायालय को बताया कि अगस्त 2024 से जुलाई 2025 के बीच राज्य में 3.63 लाख कुत्ता काटने के मामले सामने आए, जिनमें लगभग एक-तिहाई मामले आवारा कुत्तों से जुड़े थे। हैदराबाद में वर्ष 2022 से 2025 के बीच रेबीज से मौतों में चार गुना वृद्धि हो गई।

इन आंकड़ों के पीछे केवल संख्याएं नहीं, बल्कि भयावह मानवीय त्रासदियां छिपी हैं। कई मामले ऐसे सामने आए हैं जहां छोटे बच्चों को आवारा कुत्तों ने घेरकर हमला किया और उनकी मौत हो गई। उत्तर प्रदेश, केरल, तेलंगाना और दिल्ली में पिछले कुछ वर्षों में ऐसी घटनाओं ने समाज को झकझोर दिया। समस्या का सबसे दुखद पहलू यह है कि गरीब और सामान्य नागरिक को कुत्ता काटने के बाद सरकारी अस्पतालों में एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने के लिए कई बार चक्कर काटने पड़ते हैं। कई जिलों में रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिन की उपलब्धता नहीं होती। मजबूर होकर लोगों को निजी मेडिकल स्टोर से महंगे इंजेक्शन खरीदने पड़ते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो समय पर इलाज न मिलने से मौत का खतरा और बढ़ जाता है।

यह भी गंभीर प्रश्न है कि आखिर सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में हस्तक्षेप क्यों करना पड़ा। क्या राज्य सरकारों और नगर निकायों की यह जिम्मेदारी नहीं थी कि वे समय रहते प्रभावी कदम उठाते? नगर निगमों द्वारा नसबंदी और टीकाकरण अभियान अक्सर कागजों तक सीमित रह जाते हैं। अनेक शहरों में वर्षों से कुत्तों की वास्तविक गणना तक नहीं हुई है। परिणामस्वरूप आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। हालांकि इस मुद्दे का समाधान केवल हिंसा या सामूहिक हत्या नहीं हो सकता। पशु-प्रेमियों की चिंताओं को भी पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जरूरत इस बात की है कि समस्या का वैज्ञानिक, मानवीय और संतुलित समाधान निकाला जाए। बड़े स्तर पर नसबंदी अभियान, एंटी रेबीज टीकाकरण, कचरा प्रबंधन और डॉग शेल्टर जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। जिन कुत्तों का व्यवहार अत्यधिक आक्रामक और जानलेवा हो चुका है, उनके संबंध में कानून के तहत उचित कार्रवाई करनी होगी। पशु-प्रेमियों को भी यह समझना होगा कि केवल भावनात्मक अपील से समस्या का समाधान संभव नहीं है। यदि किसी गरीब परिवार का बच्चा आवारा कुत्तों के हमले में घायल हो जाता है या उसकी मृत्यु हो जाती है, तो यह केवल एक आंकड़ा नहीं बल्कि पूरे परिवार के लिए आजीवन पीड़ा बन जाता है। इसलिए मानव जीवन और पशु संरक्षण के बीच संतुलन बनाना ही वास्तविक संवेदनशीलता होगी।

आज आवश्यकता इस बात की है कि राज्य सरकारें, नगर निकाय, स्वास्थ्य विभाग और पशु कल्याण संगठन मिलकर एक समन्वित नीति तैयार करें। हर जिले में पर्याप्त एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध हो, अस्पतालों में उपचार आसान बनाया जाए, और आवारा कुत्तों की निगरानी के लिए प्रभावी तंत्र विकसित किया जाए। साथ ही नागरिकों में भी जागरूकता बढ़ाई जाए कि कुत्ता काटने की स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता लेना क्यों जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप वास्तव में शासन-प्रशासन की विफलता पर एक गंभीर टिप्पणी है। यदि स्थानीय निकाय और सरकारें समय रहते अपनी जिम्मेदारियां निभातीं तो शायद अदालत को इस विषय में दखल देने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। अब समय आ गया है कि संवेदनशीलता, वैज्ञानिक सोच और संवैधानिक जिम्मेदारी के साथ इस समस्या का स्थायी समाधान खोजा जाए, ताकि नागरिकों का जीवन सुरक्षित रह सके और बार-बार अदालत को हस्तक्षेप न करना पड़े। (हि.स.)

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तीन महिलाएं एक कहानी: दहेज के आरोप व 'मुझे घर ले चलो' की अनसुनी गुहार

नई दिल्ली/भाषा। इस महीने अपने ससुराल में मृत पायी गईं अपमानजनक विवाह में फंसी और कथित तौर पर पर्याप्त दहेज न लाने के लिए ताने झेल रहीं तीन युवतियों के शब्द भले ही अलग-अलग हों लेकिन अंतिम दिनों में मायके वालों के प्रति भावना शायद यही थी कृपया मुझे घर ले चलो। क्योंकि भोपाल की त्विषा शर्मा, नोएडा की दीपिका नागर और ग्वालियर की पलक रंजन कभी अपने मायके सुरक्षित वापस नहीं लौट सकीं। दहेज की मांग के आरोपों में घिरी उनकी मौत से उनके माता-पिता शोक और निराशा में डूबे हुए हैं।

तीनों मामलों में, परिवारों ने आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने पैसों और उपहारों के रूप में दहेज की मांग की और उनकी बेटियों को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया। उपहारों और भव्य पार्टियों के रूप में दहेज को आज भी कलंक नहीं माना जाता, जबकि तलाक को माना जाता है। भारत में प्रतिदिन औसतन 16 महिलाएं दहेज के कारण अपनी जान गंवाती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 2024 में दहेज से संबंधित 5,737 मौत हुईं, जो वर्ष 2023 के 6,156 मामलों से कम है, लेकिन फिर भी प्रति माह 478 मौत दर्ज की गईं।

त्विषा, दीपिका और पलक इस सांख्यिकीय पहेली का एक छोटा सा हिस्सा थीं, लेकिन महत्वपूर्ण उदाहरण थीं। कानूनी ढांचा मौजूद है, लेकिन भारी देरी के कारण महिलाओं में विश्वास जगाने और सामाजिक मानदंडों को बदलने के प्रयासों में बाधा उत्पन्न होती है।

उनकी मृत्यु से नैतिक और कानूनी दोनों तरह के सवाल उठते हैं: उनके परिवार के लोग उन्हें घर क्यों नहीं ले जा सके? उन्होंने मदद क्यों नहीं मांगी? क्या कानून उनके पक्ष में नहीं है? क्या उन्हें कभी न्याय मिलेगा?

सालता है सवाल

विशेषज्ञों के अनुसार, जवाब से एक ऐसी सामाजिक संरचना का पता चलता है जो मनोवैज्ञानिक रूप से उन्हें तैयार करती है, शालीनता की अपेक्षाओं और सामाजिक शर्म के माध्यम से एक महिला की स्वायत्तता को प्रतिबंधित करती है, और एक कानूनी तंत्र जो मजबूत होने के बावजूद लंबित दहेज हत्या के मामलों के लगातार बढ़ते ढेर और कम दोषसिद्धि दरों से बोझिल है।

फॉरेंसिक मनोवैज्ञानिक डॉ. दीप्ति पुराणिक कहती हैं, ऐसा नहीं है कि फिलहाल मैं बाहर नहीं निकल सकती, मैं निकल सकती हूं। मेरे पास पैसा है और सब कुछ है। बात बस इतनी सी है कि 'क्या मेरे पास बाहर निकलने का विकल्प है?' 'क्या लोग मुझे स्वीकार करेंगे?' तो भले ही आप आर्थिक रूप से स्वतंत्र महसूस करते हों, लेकिन क्या आप मानसिक रूप से स्वतंत्र महसूस करते हैं? मुंबई के नरसी मोंजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज की एसोसिएट प्रोफेसर पुराणिक ने कहा, फिर परिवार और बच्चों जैसे कारक भी हैं। तो क्या व्यक्ति वास्तव में बाहर निकलने का निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है... यह अपने आप में एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न बन जाता है।

उनके अनुसार, महिलाओं को विवाह संबंधी कुछ ऐसी मान्यताओं के साथ पाला-पोसा जाता है जो उन्हें विषाक्त विवाहों से बाहर निकलने में मानसिक रूप से असमर्थ बना देती हैं। सामाजिक कलंक के इसी जाल में फंसी होने के कारण, माता-पिता भी अक्सर कोई खास मदद नहीं करते।

तीनों महिलाओं के विवाह के शुरुआती दिनों में ही निराशा छा गई, और मृत्यु से पहले के घंटों और दिनों में प्रत्येक ने अपने परिवार से संपर्क साधा।

पांच महीने की तनावपूर्ण शादी के बाद 12 मई को त्विषा अपने ससुराल में फंदे से लटकी हुई पाई गई। उसी दिन, उसी तरह, पलक ने ग्वालियर में शादी के एक साल के भीतर आत्महत्या कर ली। पांच दिन बाद, सैकड़ों किलोमीटर दूर, 17 मई को, दीपिका ने कथित तौर पर अपने ससुराल वालों के ग्रेटर नोएडा स्थित घर से कूदकर जान दे दी। इससे पहले उसके माता-पिता उसकी फोन कॉल के बाद उनमें सुलह कराने की कोशिश के लिए ससुराल भी गए थे।

दौरा

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी रविवार को खोर्धा के इडको इंडस्ट्रियल एस्टेट में 'एपिक ग्रुप' की कंपनी 'ट्राइमेट्रो गारमेंट्स' के दौरे के दौरान।

वैश्विक स्तर पर सौम्य शक्ति के रूप में उभर रहा है योग: आयुष सचिव

नई दिल्ली/भाषा। योग भारत की सांस्कृतिक पहुंच और वैश्विक सौम्य शक्ति के सबसे प्रभावशाली माध्यमों में से एक बनकर उभरा है, वहीं जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से मुकाबले में यह एहतियाती स्वास्थ्य देखभाल के एक केंद्रीय स्तंभ के रूप में भी स्थापित हुआ है। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने यह बात कही। इक्कीस जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले कोटेचा ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि योग को अब केवल पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धति के रूप में नहीं, बल्कि वैज्ञानिक रूप से समर्थित जनस्वास्थ्य हस्तक्षेप के तौर पर भी तेजी से मान्यता मिल रही है, जिसे दुनिया भर में स्वास्थ्य प्रणालियों, शैक्षणिक संस्थानों, कार्यस्थलों और डिजिटल मंचों में एकीकृत किया जा रहा है। उन्होंने कहा, योग भारत की सांस्कृतिक पहुंच और वैश्विक सौम्य शक्ति के सबसे प्रभावशाली माध्यमों में से एक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा, 190 से अधिक देशों में इसकी स्वीकृति इसकी उस सार्वभौमिक प्रासंगिकता को दर्शाती है, जो भौगोलिक सीमाओं, भाषा और संस्कृति से परे है।

चीन-नेपाल की टीम ने एवरेस्ट चोटी पर जमी बर्फ के नमूने निकाले

बीजिंग/भाषा। चीन और नेपाल के संयुक्त वैज्ञानिक अभियान दल ने अति-ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जलवायु और पर्यावरणीय परिवर्तनों को समझने के लिए पहली बार माउंट एवरेस्ट के शिखर पर जमी बर्फ के नमूने प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। संयुक्त अभियान के सदस्यों ने 8,848.86 मीटर की ऊंचाई पर स्थित दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत पर जमी बर्फ में 'ड्रिलिंग' कर वैज्ञानिक अध्ययन के लिए नमूने प्राप्त किए। चीन के सरकारी अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' के मुताबिक, अभियान दल को बृहस्पतिवार को शिखर से पहली बार बर्फ के केंद्र से नमूना प्राप्त करने में करीब दो घंटे का समया लगा। अखबार ने कहा कि टीम ने नीचे उतरते समय कई ऊंचाई वाले क्षेत्रों से भी बर्फ के नमूने एकत्र किए। 'ग्लोबल टाइम्स' के मुताबिक, इन नमूनों को कम तापमान पर संरक्षित रखने की स्थिति में प्रयोगशालाओं में ले जाया जाएगा ताकि दुनिया के सबसे ऊंचे क्षेत्र में जलवायु और पर्यावरणीय परिवर्तनों, 'क्रायोस्फीयर' के विकास और अत्यधिक ऊंचाई पर वायुमंडलीय रिकॉर्ड पर अध्ययन किया जा सके। अखबार ने चीनी वैज्ञानिकों के हवाले से कहा कि एकत्रित नमूनों से अनुसंधानकर्ताओं को अति-ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जलवायु और पर्यावरणीय परिवर्तनों, भारतीय मानसून के प्रभाव की सीमा, अति ऊंचाई वाले क्षेत्रों में प्रदूषकों के परिवहन मार्गों और माउंट एवरेस्ट के उत्तरी और दक्षिणी ढलानों के बीच जलवायु प्रतिक्रियाओं में अंतर को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मैथिली ठाकुर के सुरों का जादू देख गदगद हुईं अक्षरा सिंह, सोशल मीडिया पर लुटाया प्यार

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह शनिवार को अपने पिता संग मुंबई में आयोजित मैथिली ठाकुर के लाइव म्यूजिक कंसर्ट का हिस्सा बनी। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की कुछ झलक उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर शेयर की। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीरों में दोनों कलाकारों के बीच बॉन्डिंग साफ देखने को मिल रही है।

पहली तस्वीर में अक्षरा सिंह और मैथिली ठाकुर मुस्कराते हुए सेल्फी लेती नजर आ रही हैं, तो दूसरी में मैथिली के भाई और अभिनेत्री अक्षरा सिंह के पिता नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने तस्वीर पोस्ट करते हुए मैथिली की सराहना की। उन्होंने लिखा, आज मुंबई में माननीय विधायका व अपनी छोटी बहन मैथिली ठाकुर, अयाची व ऋषभ का लाइव शो देखने का मौका मिला। शानदार प्रस्तुति देखकर दिल खुश हो गया। इतनी कम उम्र में मेहनत, कला और सफलता को देखकर बहुत गर्व महसूस होता है। नए टूर की शुरुआत के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं। ईश्वर करे तुम यूं ही नई ऊंचाइयां हासिल करती रहो और इतनी ही सहज बने रहना।

अभिनेत्री अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा का जाना-माना नाम हैं और अब वे बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार के साथ नए गाने में नजर आएंगी। अक्षरा सिंह ने अक्षय कुमार के साथ एक गाने में साथ काम करने की इच्छा जाहिर करते हुए शुक्रवार को वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में उन्होंने कहा था कि भोजपुरी गाने में साथ काम करने के लिए आप बस समय और जगह बता दीजिए, हम आ जाएंगे। वहीं, अक्षय कुमार ने भी बड़े भाव से अभिनेत्री की बात का मान रखते हुए उनकी वीडियो में प्रतिक्रिया दी थी। अक्षय ने कमेंट सेक्शन में लिखा था, ओह, फिर बात पक्की अक्षरा सिंह... 25 मई सोमवार सुबह 11:30 बजे सोशल मीडिया पर मिलते हैं। अक्षय कुमार बॉलीवुड का जाना-माना नाम हैं और भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में अपने अभिनय से खास पहचान रखते हैं।

वहीं, अक्षरा उन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं जो गायिकी से लेकर अभिनय तक अपने हुनर का लोहा मनवा चुकी हैं। अगर दोनों का गाना जल्द ही आता है, तो ये भोजपुरी इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ी बात होगी। हालांकि, गाने के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

भोपाल रवाना हुए एआर रहमान और रामचरण, 'पेड्डी' के गाने की लॉन्च से पहले दिखी शानदार बॉन्डिंग

मुंबई/एजेन्सी

सुपरस्टार रामचरण और ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'पेड्डी' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का ट्रेलर पहले ही जारी हो चुका है और अब इसके गाने को लेकर दर्शकों में उत्साह देखने को मिल रहा है।

इसी बीच एआर रहमान ने इंस्टाग्राम पर एक खास तस्वीर साझा की, जिसने फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है। तस्वीर में रहमान और रामचरण साथ में भोपाल रवाना होते दिखाई दिए। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीर में एआर रहमान और रामचरण एक चार्टर्ड फ्लाइट के सामने खड़े नजर आ रहे हैं। तस्वीर में दोनों कैमरे की तरफ देखते हुए पोज दे रहे हैं। वे फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में भोपाल के लिए रवाना हो रहे हैं। इस तस्वीर के साथ एआर रहमान ने एक छोटा सा कैप्शन लिखा। उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, 'पेड्डी के साथ भोपाल जा रहा हूं।' इसके साथ उन्होंने फिल्म और गाने के लॉन्च से जुड़े टैगिंग भी की।

बता दें कि फिल्म 'पेड्डी' का ट्रेलर कुछ दिन पहले रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। ट्रेलर में रामचरण का किरदार कई खेलों में माहिर होता है। वह कभी क्रिकेट खेलते नजर आते हैं, तो कभी कुश्ती लड़ते और तो कभी दौड़ लगाते दिखाई देते हैं। फिल्म में उनका किरदार अपनी मेहनत और ताकत के दम पर हर चुनौती को पार करता है। गांव के लोग उन्हें अपना हीरो मानते हैं।

हालांकि फिल्म की कहानी सिर्फ खेल तक सीमित नहीं है। ट्रेलर में आगे दिखाया जाता है कि जैसे-जैसे पेड्डी की लोकप्रियता बढ़ती है, वैसे-वैसे उसके दुश्मन भी बढ़ने लगते हैं। खासकर एक घमंडी जमींदार उसकी सफलता से जलने लगता है। इसके बाद कहानी में जबरदस्त टकराव देखने को मिलता है। फिल्म में कई बड़े एक्शन सीन्स भी शामिल हैं।

फिल्म में रामचरण के साथ जान्हवी कपूर भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा शिव राजकुमार, जगपति बाबू, दिव्येंदु और बोमन ईरानी जैसे कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। 'पेड्डी' फिल्म 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिर साथ दिख सकती है माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर की सुपरहिट जोड़ी

मुंबई/एजेन्सी

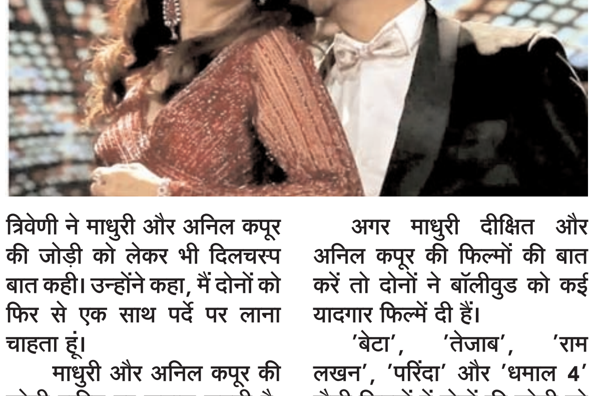

हिंदी सिनेमा की मशहूर जोड़ी माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर ने 80 और 90 के दशक में कई सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया और अपनी शानदार केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया। अब एक बार फिर इस जोड़ी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। दरअसल, निर्देशक सुरेश त्रिवेणी ने बताया कि आने वाले समय में माधुरी और अनिल कपूर एक बार फिर एक प्रोजेक्ट में साथ नजर आ सकते हैं। सुरेश त्रिवेणी इन दिनों अपनी नई सीरीज 'मां बहन' को लेकर चर्चा में हैं। शो के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। इसी दौरान उन्होंने कहा, ''मेरे लिए यह साल बेहद खास रहा, क्योंकि मुझे एक ही साल में दो बड़े सितारों के साथ काम करने का मौका मिला। एक तरफ मैंने अनिल कपूर के साथ सीरीज 'सूबेदार' में काम किया, वहीं दूसरी तरफ अब मैं माधुरी दीक्षित के साथ 'मां बहन' में काम कर रहा हूं।

यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा अनुभव है।'' सुरेश त्रिवेणी ने माधुरी और अनिल कपूर की जोड़ी को लेकर भी दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा, मैं दोनों को फिर से एक साथ पर्दे पर लाना चाहता हूं।

माधुरी और अनिल कपूर की जोड़ी स्क्रीन पर कमाल लगती है, और अगर मुझे मौका मिला तो मैं जरूर दोनों को साथ लेकर कुछ नया बनाने की कोशिश करूंगा। अगर सब कुछ सही रहा तो दर्शकों को यह सुपरहिट जोड़ी फिर से देखने को मिल सकती है।

सुरेश त्रिवेणी की इस बयान पर वहां मौजूद लोगों ने जमकर तालियां बजाईं और अपनी खुशी जाहिर की।

अगर माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर की फिल्मों की बात करें तो दोनों ने बॉलीवुड को कई यादगार फिल्में दी हैं।

'बेटा', 'तेजाब', 'राम लखन', 'परिंदा' और 'धमाल 4' जैसी फिल्मों में दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। इन फिल्मों के गाने, डायलॉग और दोनों की केमिस्ट्री आज भी लोगों के दिलों में बसी हुई है। वहीं, सुरेश त्रिवेणी की नई सीरीज 'मां बहन' भी लगातार चर्चा में बनी हुई है। इस शो का ट्रेलर 22 मई को रिलीज किया गया था। यह शो 4 जून को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा।

ऑपरेशन थिएटर से कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर पहुंची सोनल

जोधपुर/एजेन्सी

जोधपुर की प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ, फैशन आइकन और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर डॉ. सोनल परिहार ने जोधपुर में ऑपरेशन थिएटर से लेकर कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 के रेड कार्पेट तक का सफर तय किया है। जोधपुर में मेडिकल प्रोफेशन से जुड़ी डॉ. सोनल परिहार ने अपनी पहचान केवल एक डॉक्टर के रूप में नहीं बनाई, बल्कि फैशन, मोटिवेशन और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। मिसेज इंडिया और अंतरराष्ट्रीय ब्यूटी प्लेटफॉर्म्स पर अपनी सफलता के बाद अब वे फ्रांस में आयोजित प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत और राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। कान्स के रेड कार्पेट पर डॉ. सोनल परिहार की ड्रेसिंग थीम खास तौर पर राजस्थान की सांस्कृतिक झलक और ग्लोबल फैशन का मिश्रण को

प्रदर्शित करने वाली रही। कान्स फिल्म फेस्टिवल के दौरान दो दिन के इवेंट में डॉ. सोनल परिहार ने अपने अलग-अलग लुक्स के जरिए भारतीय शिल्पकला, सांस्कृतिक विरासत और स्त्री शक्ति को बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत किया। प्राशिक पुष्पलता सुखनंदन और इनीत रांधावा की कंप्यूटर पार्ट्स से बनाई विशेष परिधान में सोनल अनुपयोगी हो चुके कढ़ाई मशीनों के हिस्सों से तैयार ड्रेस में नजर आईं। यह लुक पारंपरिक हस्तकला और मशीन आधारित फैशन के बीच के संघर्ष को दर्शाता था। उनके परिधान के साथ लगाए गए लकड़ी के कंधे के घेरे पारंपरिक भारतीय कढ़ाई फ्रेम से प्रेरित थे, जिन्होंने भारतीय कारीगरों की सदियों पुरानी कला को अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मान दिलाया। रेड कार्पेट पर उनका दूसरा भारी कढ़ाई वाला परिधान भारत की प्राकृतिक सुंदरता से प्रेरित था। इस ड्रेस में खिलते बगीचों, बहती नदियों और धरती की प्राकृतिक खूबसूरती को बारीक हाथ की कढ़ाई के जरिए उकेरा गया था। इस परिधान पर की गई घंटों की हस्तकला भारतीय कारीगरों की जीवित विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत करती नजर आई।

उनके सिर पर सजाए गए विशेष आभूषण में बने देवदूत मातृत्व और उनके स्त्री रोग विशेषज्ञ होने के भाव को दर्शा रहे थेएक ऐसी महिला, जो हर दिन नए जीवन को दुनिया में आने में मदद करती है।वहीं सोनल का तीसरा लुक पूरी तरह राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को समर्पित रहा।

इम्तियाज अली की फिल्म में काम करके बदली शरवरी की सोच

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर अभिनेत्री शरवरी वाघ काफी चर्चाओं में हैं। वह फिल्म के प्रमोशन में काफी बिजी हैं। इस बीच, उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर जैसा रहा। आईएएनएस ने जब उनसे पूछा कि क्या इस फिल्म ने एक कलाकार के तौर पर उन्हें बदला है, तो उन्होंने कहा, ''हर अनुभव इंसान को कुछ नया सिखाता है, लेकिन इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा। इस फिल्म में मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका मिला, जिसकी भावनाएं बेहद अलग हैं।''

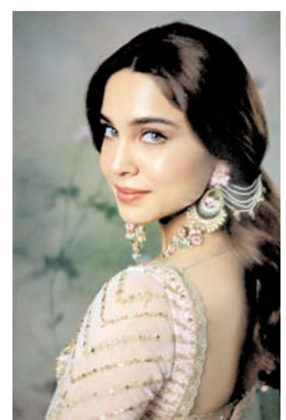

शरवरी ने कहा, ''फिल्म की दुनिया आज की भागदौड़ वाली जिंदगी से काफी अलग दिखाई गई है। यहां प्यार को बहुत सादगी, मासूमियत और सच्चाई के साथ दिखाया गया है। आज के समय में जहां रिश्तों में जल्दी और दिखावा ज्यादा देखने को मिलता है, वहीं इस फिल्म में प्यार को बहुत नाजुक और दिल से जुड़ी भावना के रूप में दिखाया गया है। इस तरह की भावनाओं को निभाना मेरे लिए एक नया और खूबसूरत अनुभव था।''अभिनेत्री ने आगे कहा, ''इम्तियाज अली कलाकारों को सिर्फ डायलॉग या सीन समझाकर काम नहीं करवाते। वह कलाकारों को किरदार की भावनाओं के अंदर लेकर जाते हैं।

वह कलाकारों को यह महसूस कराते हैं कि उनका किरदार क्या सोच रहा है, क्या महसूस कर रहा है और उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है। यही वजह है कि उनके साथ काम करने के बाद कलाकार खुद को उस किरदार के बेहद करीब महसूस करने लगते हैं।''शरवरी ने कहा, ''मेरे जैसे कलाकारों के लिए यह अनुभव काफी मददगार रहा। मैं और वेदांग दोनों इस बात से सहमत हैं कि इम्तियाज अली ने हमें प्यार, इंतजार और अपनेपन जैसी भावनाओं को गहराई से समझने में मदद की। फिल्म में यह दिखाया गया है कि इंसान आखिर कहां खुद को सबसे ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस करता है और उसके दिल में कौन-सी भावनाएं सबसे ज्यादा मायने रखती हैं।''उन्होंने इम्तियाज अली की फिल्मों की खासियत पर बात करते हुए कहा, ''उनकी कहानियों में अक्सर ऐसे किरदार होते हैं, जो जिंदगी के एक अहम मोड़ से गुजर रहे होते हैं। यह वह समय होता है जब इंसान खुद को समझता है, रिश्तों को पहचानता है और दुनिया को नए नजरिए से देखना शुरू करता है।

इस तरह के किरदार को निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा, क्योंकि मुझे लगा जैसे मैं खुद भी जिंदगी के उन एहसासों को दोबारा जी रही हूं।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मैंने इम्तियाज अली के साथ काम करने का हर पल खूब एंजॉय किया। निर्देशक की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह कलाकारों से दिल से जुड़ा अभिनय निकलवाते हैं।'' फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'दृश्यम' की अभिनेत्री अंसीबा हसन ने टिनी टॉम पर 'चरित्र हनन' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। मलयालम अभिनेत्री अंसीबा हसन ने शनिवार को साथी अभिनेता टिनी टॉम व कलाकारों के संगठन एएमएमए के कुछ सदस्यों पर चरित्र हनन और सांप्रदायिक दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। अभिनेत्री ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें संगठन से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। 'दृश्यम' की अभिनेत्री ने दावा किया कि संगठन के एक अन्य सदस्य ने उन्हें बताया था कि टॉम ने उन्हें जिहादी करार दिया था, उन पर मतांतरण का प्रयास करने का आरोप लगाया था और उनके निजी जीवन के बारे में अफवाहें फैलाई थीं। अभिनेत्री ने यह सवाल भी उठाया कि क्या उन्हें उनकी मुस्लिम पहचान के कारण निशाना बनाया जा रहा है। अभिनेत्री ने विभिन्न टेलीविजन चैनलों से बात करते हुए ये आरोप लगाए।

हसन ने कहा कि उन्होंने 21 फरवरी को 'एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स' (एएमएमए) को अपना इस्तीफा सौंप दिया था, जिसमें उन्होंने व्यक्तिगत कारणों और काम के दबाव का हवाला दिया था, लेकिन उन्होंने निजी तौर पर संगठन के सचिव को अपने फैसले के पीछे के वास्तविक मुद्दों के बारे में सूचित किया था। उन्होंने दावा किया कि एएमएमए की

कार्यकारी समिति की एक महिला सदस्य ने उनके खिलाफ झूठी पुलिस शिकायत दर्ज कराई थी और आरोप लगाया कि विवाद के दौरान न तो संगठन के अध्यक्ष और न ही अन्य जिम्मेदार पदाधिकारियों ने उनका साथ दिया। अभिनेत्री ने दावा किया, मैं गंभीर मानसिक तनाव से गुजर रही हूं।

मेरे खिलाफ चरित्र हनन का एक बेहद घिनौना अभियान चलाया गया है। उन्होंने कहा कि वह कानूनी कार्रवाई करने की इच्छुक नहीं थीं। इसी बीच, अभिनेत्री प्रियंका ने टॉम के समर्थन में आकर कहा कि जिस व्यक्ति ने कोई गलती नहीं की है उसे दंडित नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कोच्चि में कहा, हसन की जो भी समस्याएं थीं, उन पर एएमएमए के भीतर ही चर्चा होनी चाहिए थी। ऐसे मामलों को सुलझाने के लिए संगठन में निर्वाचित प्रतिनिधि मौजूद हैं। आरोपों को खारिज करते हुए टॉम ने हालांकि कहा कि हसन के दावे सुनी-सुनाई बातों पर आधारित थे। उन्होंने मीडिया से कहा, किसी और ने कहा है कि मैंने उसके खिलाफ ऐसी टिप्पणी की है...उसने यही कहा था... मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो ईमानदारी से काम करता है और खुलकर बोलता है। अभिनेता ने आगे कहा कि एएमएमए की कार्यकारी समिति इस मामले पर उचित निर्णय लेगी। हसन ने हाल ही में मलयालम फिल्म कलाकारों के संगठन एएमएमए की कार्यकारी समिति से इस्तीफा दे दिया, जहां वह संयुक्त सचिव के रूप में कार्यरत थीं।

नि:शुल्क दिव्यांग शल्य चिकित्सा जांच आर्टिफिशियल लिम्ब मॉप शिविर सम्पन्न

शिविर में 411 दिव्यांगों का लिया मॉप और 10 लोग ऑपरेशन हेतु हुए चयनित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। नारायण सेवा संस्थान एवं सौजन्यकर्ता शांताबेन त्रिभुवनदास पटेल चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को माहेश्वरी भवन में नि:शुल्क दिव्यांग शल्य चिकित्सा जांच, चयन तथा जापानी एवं जर्मन तकनीक से निर्मित 3डी प्रिंटेड नारायण मॉड्यूलर आर्टिफिशियल लिम्ब माप शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि और शिविर के लाभार्थी हरीश टी. पटेल सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि दिव्यांगों की सेवा करना ईश्वर की सच्ची सेवा है। उन्होंने संस्थान द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि नारायण सेवा संस्थान दिव्यांगजनों के समग्र विकास और पुनर्वास के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य कर रहा है। उन्होंने संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल एवं पूरी टीम को बधाई देते हुए समाज से ऐसे सेवा कार्यों में सहयोग देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्रीगोपाल माहेश्वरी ने की। कार्यक्रम में राजस्थानी संघ के अध्यक्ष संतोष मूंदड़ा, महावीर गौशाला के अध्यक्ष प्रसन्न कोठारी सहित अनेक समाजसेवी एवं गणमान्यजन उपस्थित थे। शिविर संयोजक अचल सिंह भाटी एवं प्रभारी हरिप्रसाद लड्ढा ने अतिथियों का सम्मान करते हुए संस्थान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। भाटी ने बताया कि शिविर में आए दिव्यांगजनों की जांच संस्थान की विशेषज्ञ डॉक्टर एवं पी एंड ओ टीम द्वारा की गई, इनमें 411 दिव्यांगजनों का नारायण लिंब एवं कैलिपर्स के लिए मेजरमेंट लिया गया, जबकि 10 दिव्यांग रोगियों का चयन नि:शुल्क शल्य चिकित्सा हेतु किया गया। प्रभारी हरि प्रसाद लड्ढा ने बताया कि जिन दिव्यांगजनों का मेजरमेंट एवं कास्टिंग की गई है, उन्हें आगामी 1 से 2 माह में पुनः कोयंबटूर में शिविर आयोजित कर नि:शुल्क नारायण लिंब पहनाए जाएंगे।

सिवांची प्रीमियर लीग 'लक्सस्टार एसपीएल-4' के खिलाड़ियों की नीलामी सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय सिवांची जैन युवा मंडल द्वारा आयोजित 'लक्सस्टार एसपीएल-4' सिवांची प्रीमियर लीग के खिलाड़ियों की नीलामी सिवांची भवन में आयोजित हुआ। मंडल के सचिव भरत श्रीश्रीमाल ने कार्यक्रम की जानकारी दी। मंडल के अध्यक्ष सिद्धार्थ मुणोत ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। इस ऑक्शन कार्यक्रम में लगभग 130 से अधिक खिलाड़ियों की नीलामी की गई, जिसमें कुल 8 टीमों ने भाग लेकर अपने-अपने खिलाड़ियों का चयन किया। कार्यक्रम में सिवांची मद्रास जैन संघ के अनेक सदस्य उपस्थित थे। मंडल के कोषाध्यक्ष विनोद सिंघवी ने स्पोर्ट्स संयोजक ने कुणाल कांकरिया, अनिल जीरावला, मनीष बालर, राहुल बागरेचा, संजय देसरला एवं पंकज चोपड़ा व टीम की सराहना की।

धर्म प्राप्ति नहीं, पात्रता सिखाता है : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वर

जीवन निर्माण के चार सोपानों का किया विवेचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

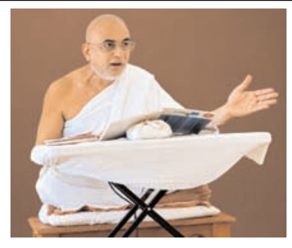

चेन्नई। शहर के वेपेरी स्थित शंखेश्वर सेरेनिटी अपार्टमेंट में जैनाचार्य कुलबोधिसूरीश्वरजी का मंगल पदार्पण हुआ, जहां संघ के अध्यक्ष बाबूलाल लुणिया व अन्य सदस्यों से संतों का स्वागत किया। इस अवसर पर आचार्यश्री ने कहा कि वर्तमान कलियुग में जिनशासन की प्राप्ति होना अत्यंत सौभाग्य की बात है। उन्होंने 1444 ग्रंथों के रचयिता आचार्य हरिभद्रसूरीजी का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि उन्हें जिनशासन की प्राप्ति नहीं हुई होती तो उनका जीवन किस दिशा में जाता, इसकी कल्पना भी कठिन है। उन्होंने कहा कि आने वाले भव में चक्रवर्ती पद मिल सकता है, लेकिन जिनशासन की प्राप्ति अपने आप में अद्भुत उपलब्धि है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जीवन में केवल प्राप्ति महत्वपूर्ण नहीं होती, वास्तविक महत्व पात्रता का होता है। गौतमस्वामी और गोशाला दोनों को भगवान महावीर का सान्निध्य मिला, लेकिन अंतर दोनों की पात्रता में था। इसी संदर्भ में उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वर्षा का जल नदी में जाकर मीठा बनता है, समुद्र में जाकर खारा हो जाता है, सांप के मुख में जाकर विष बन जाता है और शंख में पहुंचकर मोती का रूप ले लेता है। अंतर जल में नहीं, पात्रता में होता है।

धर्म और विज्ञान के अंतर को समझाते हुए आचार्यश्री ने कहा कि विज्ञान प्राप्ति पर जोर देता है, जबकि धर्म पात्रता को प्रधान मानता है। भोजन के लिए भूख और पानी के लिए प्यास आवश्यक है, उसी प्रकार जीवन में किसी भी श्रेष्ठ प्राप्ति से पहले पात्रता का निर्माण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जो प्राप्त होता है वह दूसरों की उदारता हो सकती है, लेकिन उसे धारण करने के लिए पात्रता स्वयं में विकसित करनी पड़ती है। प्रवचन सुनने की पात्रता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि मन, वचन और काया से मौनपूर्वक धर्मश्रवण करना ही वास्तविक पात्रता है। जिनशासन में सामायिक जैसी दिव्य साधना की प्राप्ति हुई है, लेकिन उसमें पवित्रता और आंतरिक भाव अत्यंत आवश्यक हैं। आचार्यश्री ने गुण प्राप्ति के चार प्रमुख सोपान बताते हुए कहा कि मन में भावना, तन में साधना, धन में उदारता और वचन में मधुरता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि साधना में कमी हो जाए तो भी चल सकता है, लेकिन भावना में कमी नहीं आनी चाहिए। भावना ही मोक्ष का द्वार खोल सकती है।उन्होंने दीवार और दरवाजे का उदाहरण देते हुए कहा कि दरवाजा सदैव भीतर आने का मार्ग देता है, जबकि दीवार हमेशा रोकती है। मनुष्य को यह तय करना चाहिए कि वह जीवन में दीवार बनना चाहता है या दरवाजा। उन्होंने कहा कि कम से कम अपने पड़ोसी को सुखी करने की भावना तो प्रत्येक व्यक्ति में होनी ही चाहिए।

सद्कार्यों में धन के सदुपयोग पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने किसान का उदाहरण दिया। किसान यदि बीज को कोठार में ही रखेगा तो केवल संग्रह होगा, लेकिन वही बीज खेत में बोया जाए तो हजारों गुना फल देता है। उसी प्रकार धन का सद्कार्यों में व्यय ही वास्तविक सर्जन है। वचन की मधुरता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जीवन को व्यवस्थित और सुंदर बनाना है तो कर्कशता नहीं, मधुरता अपनानी होगी। यदि जीवन में भावना, साधना, उदारता और मधुरता आ जाए तो गुणों की प्राप्ति स्वतः होने लगती है।

श्रीश्रीमाल ने उच्च शिक्षामंत्री विश्वनाथन से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन एजुकेशनल सोसायटी के महासचिव अभयकुमार श्रीश्रीमाल जैन ने शनिवार को राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री पी. विश्वनाथन से मुलाकात की। उन्होंने सोसायटी की ओर से विश्वनाथन को बधाई दी, उन्हें अपनी नई पुस्तक ब्लास्ट' (बिजनेस लर्निंग्स एवं स्टोरीज ऑफ टर्नअराउंड) भेंट की और उनका सम्मान किया।

श्रीश्रीमाल ने शिक्षा में नवाचार और सोसायटी के शैक्षणिक योगदान से उन्हें अवगत कराया। इस अवसर पर शंकरलाल सुंदरबाई शसुन जैन महिला महाविद्यालय की सचिव उषा-अभय श्रीश्रीमाल, प्राचार्य डॉ. एस. पद्मावती, सोसायटी के उपाध्यक्ष हस्तीमल चौधरी, कोषाध्यक्ष टी. कैलाश चोरड़िया एवं अगरचंद मानमल जैन महाविद्यालय के पन्नालाल चोरड़िया भी उपस्थित थे।

यह जानकारी कवि डॉ. दिलीप धींग ने दी।

महेश नवमी पर 'शिवोहम' नाम से महामहोत्सव का होगा आयोजन

विभिन्न स्थलों पर होंगे विभिन्न समाजसेवी कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। माहेश्वरी सभा द्वारा भगवान महेश के उत्पत्ति दिवस 'महेश नवमी' के अवसर पर 'शिवोहम' नामक महेश नवमी महा महोत्सव-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव के अंतर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, युवा मार्गदर्शन, सामाजिक सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं धार्मिक आयोजनों सहित विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। अध्यक्ष गौरी शंकर राठी ने बताया कि शिवोहम महेश नवमी महा महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज की एकता, सेवा, संस्कार एवं संगठन शक्ति का महापर्व है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अशोक मूंदडा ने बताया कि शिवोहम महोत्सव की संपूर्ण रूपरेखा समाज के प्रत्येक वर्ग को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। महोत्सव का शुभारंभ 6 एवं 7 जून को अग्रवाल भवन, अन्नानगर में आयोजित डेंटल, आई एवं ऑर्थो कैंप से होगा। इसके पश्चात 14 जून से 23 जून तक अपोलो हॉस्पिटल, ग्रीम्स रोड में मेगा मास्टर हेल्थ कैंप आयोजित किया जाएगा। साथ ही रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। 21 जून को डीजी वैष्णव कॉलेज में प्रातःकालीन सत्र में 'नई दिशाएँ' विषय पर बच्चों एवं युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखकर तैयार विशेष कार्यक्रम आयोजित होगा। इसी दिन वैष्णव कॉलेज में महेश छात्रवृत्ति कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उसी दिन सायंकाल 'महेश गौरव सम्मान समारोह' आयोजित किया जाएगा, जिसमें समाज के प्रतिभाशाली, सेवाभावी एवं विशिष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों का सम्मान किया जाएगा। इस समारोह में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अध्यक्ष संदीप काबरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। 23 जून को सुबह बालाजी मंदिर, साहुकारपेट से माहेश्वरी भवन तक शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके पश्चात माहेश्वरी भवन में रुद्राभिषेक, भजन, महाआरती एवं महाप्रसाद का आयोजन होगा। सचिव संजय मूंदड़ा ने बताया कि आयोजन की सभी तैयारियाँ प्रारंभ कर दी गई हैं तथा विभिन्न समितियों का गठन कर जिम्मेदारियाँ सौंप दी गई हैं।

मदुरै तेरापंथ सभा भवन में शपथ ग्रहण समारोह पूर्वक संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरई। तेरापंथ सभा भवन में रविवार को तेरापंथ सभा की नई कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण सम्पन्न हुआ। सभा के निवर्तमान मंत्री अभिषेक कोठारी ने सभी का स्वागत किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौतमचंद गोलेछा ने वर्ष 2026-28 के लिए पुनः अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपने पर सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे सदैव संघ हित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करेंगे तथा मदुरै तेरापंथ समाज के विकास हेतु पूर्ण समर्पण से प्रयासरत रहेंगे। पूर्व अध्यक्ष अशोक कुमार जीरावला ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें शपथ दिलाई। तत्पश्चात अध्यक्ष गौतमचंद गोलेछा ने अपनी नवगठित टीम की घोषणा कर सभी पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण करवाई। तेरापंथ सभा की नवगठित कार्यकारिणी में धीरज दुगड़ व राजकुमार नाहटा को उपाध्यक्ष, अभिनंदन बागरेचा को मंत्री, पवन चौपड़ा व कमलेश सकलेचा को सहमंत्री, धीरजकुमार पारख को कोषाध्यक्ष व जितेन्द्र गोलछा को संगठन मंत्री पद की शपथ दिलवाई गई। अशोककुमार जीरावला, तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद, स्थानकवासी संघ, सुमतिनाथ जैन नया मंदिर ट्रस्ट, सुमतिनाथ जैन संघ आदि ने नए अध्यक्ष गोलेछा का सम्मान किया। अंत में मंत्री अभिनंदन बागरेचा ने धन्यवाद दिया।

बिछड़े हाथी के बच्चों को उसकी मां से मिलवाने में जुटा वन विभाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। तमिलनाडु तेनकासी ज़िले में कोर्टालम रिज़र्व फ़ॉरेस्ट के पास की तलहटी में अपनी माँ से बिछड़ा हुआ एक नर हाथी का बच्चा अकेला खड़ा मिला। इस जानकारी के बाद तेनकासी के ज़िला वन अधिकारी के आदेश पर वन पशु चिकित्सक डॉ. मनोहरन और संथाकुमार के नेतृत्व में एक मेडिकल टीम तुरंत मौके पर पहुँची और फ़िलहाल उस हाथी के बच्चे का इलाज शुरू कर दिया।

रिपोर्ट से बताया गया है कि जिस झुंड से यह बच्चा बिछड़ा था, वह अभी भी उसी इलाके में घूम रहा है, इसलिए स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लोगों की आवाजाही पर अस्थायी रोक लगा दी। बिछड़े हुए बच्चे को उसकी माँ से मिलाने में मदद के लिए दो अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं, और वन विभाग के कर्मचारी फ़िलहाल गहन निगरानी और बचाव कार्यों में लगे हुए हैं।

रजत अनुकम्पा समिति ने विभिन्न स्थानों पर बांटी छाछ और बांटी सहयोग सामग्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु(रजत) की अनुकम्पा समिति द्वारा गर्मी से राहत दिलाने के लिए सरकारी स्टेनली हॉस्पिटल में सायरचंद नाहर परिवार के सौजन्य से 1600 लोगों को छाछ पैकेट वितरित किए गए। साथ ही साहुकारपेट में शशिकला प्रसन्न बुरड़ परिवार के सहयोग से करीब 600 लोगों को छाछ वितरण की गई। अजीतकुमार निशांत चोरडिया द्वारा मोनेगर चौल्ट्री वृद्धाश्रम में 45 बुज़ुर्गों को स्नैक्स, केले, चाय, बिस्किट बांटे गए। चोरड़िया परिवार ने एक आफिस चेयर भी दान की। अक्षया वृद्धाश्रम में ज्ञानचंद कोठारी की तरफ से 40 डायपर पैड बांटे गए। इस मौके पर रजत के अध्यक्ष अजीत चोरड़िया, सचिव दिनेश कोठारी, अनुकंपा समिति के चेयरमैन ज्ञानचंद कोठारी, सहचेयरमैन दिलीप बोहरा, गणपत कोठारी, हनुमान सकलेचा, संयोजक सुमेर बैद, ललित रांका, प्रकाशचंद बैद आदि सदस्यों ने सेवा प्रदान की।

'सदगुरु के पास जाते समय अभिमान को पूर्णतया तज देना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शनिवार को साहुकारपेट के बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट पर स्थित स्वाध्याय भवन में 'एक कदम धर्म की ओर' प्रवचन माला के अन्तर्गत गुरु से होता जीवन शुरु पर वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने साध्वी भाग्यप्रभाजी के चिन्तन रुपी कृति प्रभु के पत्र के अंशों का वांचन किया।

स्वाध्यायियों ने विवेचन करते हुए कहा कि राम के पास गुरु वशिष्ठ थे,इसीलिए राम पूजनीय बन गए दूसरी ओर रावण के पास संसार का वैभव तो था,पर सदगुरु का सान्निध्य नहीं था,इसीलिए उनका जीवन व्यर्थ गया। सदगुरु के पास जाते समय अभिमान को पूर्णतया तज देना चाहिए। प्रभु कहते हैं, कि तू गुरु में मुझे देखना,गुरु की आज्ञाओं को मेरी आज्ञा समझना,गुरु की सेवा ही मेरी सेवा होगी । शिष्य के लिए योग्यता पाने के त्रिसूत्र हैं,पूर्ण समर्पण,आज्ञा आराधन और सच्ची भक्ति । प्रभु कहते हैं कि भूल से भी गुरु की आशातना मत कर देना ।

उपस्थित स्वाध्यायीगण ने श्रवण किए सूत्रों को अपने शब्दों में उच्चरित किया व जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के पूर्व कार्याध्यक्ष नरेन्द्र कांकरिया ने स्वाध्यायी बन्धुवरों को साधुवाद दिया। इस गुरु अष्टमी तिथि के प्रसंग पर स्वाध्यायी बन्धुवरों द्वारा गुरु हीरा चालीसा की सामूहिक स्तुति की गई।

श्रावक संघ तमिलनाडु के उपाध्यक्ष गौतमचन्द मुणोत, इंदरचंद कर्णावट,रुपराज सेठिया, पदमचन्द दीपक योगेश श्रीश्रीमाल,वीरपिता बाबू धनपतराज सुराणा, हितेन कोठारी महावीरचन्द लीलमचन्द बागमार, महावीरचन्द कर्णावट उच्छबराज गांग आदि सामायिक परिवेश में उपस्थित थे। योगेश ने चिन्तन सूत्र दीपक श्रीश्रीमाल ने तीन मनोरथ चिन्तन सूत्र व महावीरचन्द बागमार ने प्रत्याख्यान कराए। रुपराज सेठिया ने मंगल पाठ किया। गुरु सुखसाता पाठ गौतमचन्द मुणोत ने करवाया।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

माँ दुर्गा भक्त मन्डल के तत्वावधान में शनिवार को गुजराती समाज द्वारा गुजराती मंडप में 1470वां सुन्दरकाडं पाठ का आयोजन किया गया। अध्यक्ष अशोक शर्मा ने सभी का स्वागत किया। सुन्दरकाण्ड पाठ में मूलचंद शर्मा, नवीनकुमार शर्मा, हीरालाल सरोज, भागीरथ गुलेरिया, सुभाष गुप्ता, टीकम गुप्ता, रघुवीर, मदन जोशी, अशोक सैनी, वैद प्रकाश, हरीश शर्मा, अरविंद सिंह, गोपाल शाह, लखन कुमार, वीरेन्द्र सहित गुजराती समाज के मंत्री हंसमुख रामजी, सुरेश कुमार बिभाकर ,सतीश नगडा , जय कुमार मोमाया, हेमांशु शाह आदि उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.